प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-100 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 6 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गर्मी और भीड़ के दबाव में श्रद्धालु की मौत, मचा हड़कंप

बांके मंदिर के बाहर लगी श्रद्धालुओं की भीड़।

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार को मध्य प्रदेश के गुना जिले से परिवार के साथ दर्शन करने आए 50 वर्षीय श्रद्धालु की मृतक भरत बांकेबिहारी मंदिर मार्ग पर अचानक तबीयत बिगड़ गई। पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के गुना जनपद के ग्राम बमौरी निवासी भरत सिंह लोधा अपनी पत्नी राममूर्ति, मामा सुरेश लोधा और राजेश लोधा के साथ ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने आए थे। शनिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वे विद्यापीठ चौराहे से

बांकेबिहारी मंदिर दर्शन को जाते समय गर्मी से बिगड़ी तबीयत

गुना से परिवार संग आए थे दर्शन करने, अस्पताल में मृत घोषित

मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान क्षेत्र में भारी भीड़ और तेज धूप के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बताया गया है कि मंदिर के गेट नंबर तीन से पहले अचानक भरत सिंह की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना से आसपास मौजूद श्रद्धालुओं में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे, एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद भरत सिंह को मृत घोषित कर दिया। श्रद्धालु की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। अधिक मास के दौरान वृंदावन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। दोपहर के समय तेज धूप और उमस के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मथुरा- वृंदावन में फायर विभाग की बड़ी कार्रवाई

होटल–गेस्ट हाउस और अस्पतालों पर छापा, मिली गंभीर खामियां

वृंदावन के एक होटल में जांच करते हुए सीएफओ अरूण कुमार सिंह और अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को फायर विभाग के व्यापक जांच अभियान से होटल, गेस्ट हाउस और अस्पताल संचालकों में हड़कंप मचा रहा। दिल्ली में हुए अग्निकांड के बाद प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अग्निशमन विभाग की टीम ने शहर और वृंदावन के

कई प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी अग्निशमन व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

विभिन्न प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन पड़ताल की। जांच के दौरान कई स्थानों पर अग्निशमन उपकरणों की कमी, आपातकालीन निकास मार्गों में बाधाएं और सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसी गंभीर खामियां सामने आईं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में चली कार्रवाई के दौरान होटल, गेस्ट हाउस और अस्पतालों में स्थापित फायर सिस्टम, पंप स्टेशन, अलार्म और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में किचन क्षेत्र अव्यवस्थित मिला, जहां ज्वलनशील सामग्री असुरक्षित तरीके से रखी गई थी। कई भवनों में निकास मार्ग संकरे पाए गए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। जांच के दौरान फायर टीम ने पंप स्टेशनों को डीजल और इलेक्ट्रिक दोनों मोड पर चलवाकर उनकी कार्यक्षमता परखी। कुछ स्थानों पर ऑटोमेटिक सिस्टम सही ढंग से संचालित नहीं मिला, जिस पर अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

सीएफओ ने बताया कि मथुरा–वृंदावन में भी होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। इस मौके पर एफएसओ और आदि स्टाफ मौजूद रहा।

मथुरा होकर चलेगी लालकुआं–वलसाड समर स्पेशल, 11 जून से पांच फेरे

यूनिक समय,मथुरा। गर्मियों के अवकाश में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने 05344/05343 लालकुआं–वलसाड साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन के संचालन का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 11 जून से नौ जुलाई 2026 तक लालकुआं से प्रत्येक गुरुवार और 12 जून से 10 जुलाई तक वलसाड से प्रत्येक शुक्रवार को कुल पांच फेरों के लिए चलाई जाएगी। 05344 लालकुआं–वलसाड विशेष ट्रेन लालकुआं से सुबह नौ बजे रवाना होकर बरेली सिटी, बदायूं, कासगंज, मथुरा कैंट, मथुरा जंक्शन, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, छायापुरी और सूरत होते हुए अगले दिन दोपहर 12 बजे वलसाड पहुंचेगी। वापसी में 05343 वलसाड–लालकुआं विशेष ट्रेन वलसाड से अपराह्न 3:25 बजे प्रस्थान कर सूरत, छायापुरी, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, भरतपुर, मथुरा जंक्शन, मथुरा कैंट, कासगंज, बदायूं और बरेली सिटी होते हुए लालकुआं पहुंचेगी। रेलवे ने यात्रियों से इस विशेष ट्रेन का लाभ उठाने की अपील की है।

नियम ताक पर, बढ़ रहा आग का खतरा

बिना फायर एनओसी चल रहे होटल–अस्पताल

यूनिक समय, मथुरा। आए दिन अस्पताल और होटलों में आग लगने से गंभीर घटनाएं हो रहीं हैं। इसके बाद भी जिले में जिम्मेदार यहां की व्यवस्थाओं की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिले में गली और कूंचों में बिना अग्निशमन विभाग की एनओसी के होटल और अस्पतालों का संचालन किया जा रहा है। यहां आग की घटना हुई तो जिम्मेदार कौन होगा।

हाल में दिल्ली में एक होटल में लगी आग से 22 लोगों की मौत हो गई। वहीं बिहार के एक अस्पताल में आग लगने से पांच लोगों की जान चली गई। तीन साल पहले वृंदावन के एक होटल में आग लगने से कई लोग घायल हो गए थे। इन सभी घटनाओं के बाद भी जिला

प्रशासन जिले के अस्पतालों और होटलों की स्थिति पर ध्यान नहीं दे रहा है। जिले में होटल की बात करें तो 400 से 450 होटल, रेस्तरां और ढाबे संचालित हो रहे हैं। इनमें से यदि अग्निशमन की एनओसी की बात की जाए तो मात्र एक दर्जन के पास ही है।

ऐसे में शेष बिना एनओसी के संचालित हो रहे हैं। हैरान करने वाली बात तो यह है कि तीन से चार मंजिल

फायर दमकल भी नहीं पहुंच सकती है ऐसे स्थानों तक

अग्निशमन की भी सुविधा लेने में कतराते हैं संचालक

होटल और रेस्तरां गली और कूंचों में संचालित हो रहे हैं,जहां यदि आग जैसी घटना हो तो अग्निशमन विभाग की गाड़ी तक न पहुंच पाए। प्रशासन की यह अनदेखी कहीं किसी हादसे को आमंत्रण न दे दें। समय रहते जिला प्रशासन को जिले में संचालित होटल और अस्पतालों की जांच करनी चाहिए, ताकि दिल्ली और बिहार जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

वहीं एक होटल संचालक का कहना है कि अग्निशमन का पूरा सिस्टम लगवाना काफी मंहगा होता है। सबसे बड़ी समस्या एनओसी से जुड़ी है। उनका कहना है कि एनओसी के लिए नियम काफी कठिनाई वाले हैं, यह बिना भेंट-पूजा के आसानी से नहीं मिलती है। यूनिक समय ऐसे दावे का समर्थन नहीं करता है, लेकिन नियमों को सरल बनाने की बात कहता है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार का कहना है कि एनओसी के नियमों का पालन कराना अनिवार्य है, अनुमति नियम पूरे होने पर मिलना संभव है।

गर्म हवाओं से बढ़ेगा तापमान

शनिवार दोपहर गर्मी और गर्म बयार से बचने के लिए मुंह को कपड़े से बांधकर जातीं महिलाएं।

राजस्थान की गर्म बयार बढ़ा सकती है तापमान

कल से 12 जून तक तक दिन का तापमान बढ़ने से होगी परेशानी

अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान में होगा इजाफा, लू की संभावना

यूनिक समय, मथुरा। मौसम विभाग के पूर्वानमान पर ध्यान दिया जाए तो कल से दिन और रात का पारा फिर से बढ़ने लगेगा। राजस्थान की गर्म बयार इसकी वजह बनेगी। गर्म बयार से दिन में लू चलने की संभावना है। ऐसे में अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। ऐसे में मानसून आने तक गर्मी फिर लोगों के लिए परेशानी की वजह बनेगी। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार से तापमान तेजी से बढ़ेगा। 10 और 11 जून को लू चलने के आसार हैं। राजस्थान की ओर से आने वाली गर्म हवा अब तापमान बढ़ाएगी। नौतपा के बीच में ही सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ ने मौसम में एकदम से बदलाव ला दिया था। आंधी–बारिश के साथ ही बादलों की आवाजाही से तापमान में गिरावट दर्ज हुई थी। ऐसे में चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली गई थी, लेकिन अब पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने लगा है। इसलिए तापमान में भी वृद्धि शुरू हो गई है। हालांकि, शनिवार को बादलों की आवाजाही के बाद भी तापमान में बीते दिन के मुकाबले दो डिग्री सेल्सियस की बढ़त दर्ज हुई और ये 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, न्यूनतम पारा 27.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र कुमार का कहना है कि आज पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरी तरह खत्म हो गसा है। अब रविवार से तापमान तेजी से बढ़ेगा। 10 और 11 जून को लू चलने के आसार हैं। दिन का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

ऐसे बढ़ेगा तापमान

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शनिवार	40	28
रविवार	41	29
सोमवार	42	30
मंगलवार	42	30
बुधवार	43	30

(नोटः तापमान डिग्री सेल्सियस में।)

गैस प्लांट का कचरा लोगों के लिए बन रहा है सिर दर्द

गैस प्लांट से निकलने वाले कचरे को खुले में टैंकर से फैलाते हुए।

स्कूल जाने वाले छात्र–छात्राओं को हो रही है भारी परेशानी

ग्रामीणों ने पुलिस से कचरे पर रोक लगाने की मांग की

यूनिक समय, सुरीर। राया–नौहझील मार्ग स्थित बाघर्रा गांव और भट्टा के समीप गैस प्लांट से निकलने वाले कचरे को खुले डाले जाने से छात्रों सहित राहगीरों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कचरे को हटवाए जाने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि शीतल कोल्ड स्टोर के पीछे संचालित गैस प्लांट से निकलने वाले अवशिष्ट कचरे को प्रतिदिन दर्जनों ट्रैक्टर–ट्रॉलियों द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय के समीप सड़क किनारे बने बाड़े में खुले में डाला जा रहा है। कचरे से क्षेत्र में दुर्गंध और गंदगी का माहौल पैदा हो रहा है। जिस स्थान पर कचरा डाला जा रहा है, उसके आसपास आधा दर्जन से अधिक गांव होने के साथ- साथ स्कूल भी है। कचरे से निकलने वाली दुर्गंध से छात्र–छात्राओं औरराहगीरों के अलावा ग्रामीणों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि कचरे के कारण बड़ी संख्या में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीण हरस्वरूप (45)वर्ष की मछरों के काटने से दोनों आंख खराब हो गई। रामबाबू (32), रामनिवास (53) और नेहा (10) सहित कई लोगों की आंखों में संक्रमण हो गया है। कचरे से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं पैदा हो रही हैं। शनिवार को ग्रामीण सोनू निषाद, भोला, सत्येंद्र, रामरुमाल, महिपाल, अर्जुन, करतार, धर्मेंद्र, कन्हैया, गिरीश, पूरन सिंह, शिवराम सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बरोठ चौकी पहुंचकर शिकायत देते हुए कचरा डलवाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

एटीएम में पर्चियां और पीक ने बिगाड़ी तस्वीर

गंदगी से भरे एटीएम, संक्रमण का खतरा

शहर में कई धन निकासी मशीनों के आसपास पर्चियों का ढेर

यूनिक समय, मथुरा। शहर के कई एटीएम मशीनों के आसपास गंदगी का पसरी हुई है। धन निकासी की मशीन के आसपास पर्चियां और पीक स्वच्छता का उपहास उड़ा रही है। इस गंदग्री से संक्रामक रोग और संक्रमण फैलने का भी खतरा है। यह गंदगी एटीएम में धन निकासी को आने वालों का मूड भी खराब करती है। शहर के कई एटीएम केंद्रों में साफ–सफाई की कमी लोगों की चिंता का कारण बन रही है। एटीएम मशीनों के कीपैड, टचस्क्रीन और प्रवेश द्वार के हैंडल पर जमा धूल और गंदगी संक्रमण फैलने का जोखिम बढ़ा सकती है। दिनभर बड़ी संख्या में लोग इन मशीनों का उपयोग करते हैं, जिससे रोगाणुओं के एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचने की आशंका रहती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई एटीएम केंद्रों में नियमित सफाई नहीं की जा रही है। विशेष रूप से गर्मी और बरसात के मौसम में गंदगी और नमी के कारण बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्मजीवों के पनपने की संभावना बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, एटीएम का उपयोग करने के बाद हाथों को साबुन से धोना या सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही बिना हाथ साफ किए आंख, नाक और मुंह को छूने से बचना चाहिए।

एक एटीएम के आसपास बिखरी गंदगी।

गंदगी से होता है मन खराब

कई एटीएम मशीनों के आसपास इस्तेमाल के बाद निकली पर्चियां पड़ी है। एटीएम के आसपास बिखरी यह पर्चियां बतातीं है कि मशीन के आसपास काफी दिनों से सफाई का काम नहीं हो रहा है पीक तो सफाई की पोल खोल रहे हैं। ऐसे एटीएम का हाल महाविद्यालय या उच्च शिक्षण संस्थानों के पास का है।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,55,730
22 कैरेट 1,42,750
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,75,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ट्रक की टक्कर से दो टुकड़ों में बटा ट्रैक्टर

हाइवे पर जीएलए यूनिवर्सिटी के समीप हुई दुर्घटना में क्षतिग्रस्त ट्रक और ट्रैक्टर।

यूनिक समय, चौमुहां। दिल्ली- आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जीएलए यूनिवर्सिटी के गेट के समीप आज प्रातः ईंट से भरे ट्रैक्ट्रर ट्राली को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ट्रैक्टर के दो हिस्से हो गए। दोनों वाहन डिवायडर पर चढ़ गए। ट्रैक्टर चालक की ट्रक के नीचे दबकर मौत हो गई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद चालक के शव को बाहर निकलवाया।

आज प्रातः करीब छह बजे थाना नौहझील के गांव मुकंदपुर निवासी मुनेश (26) पुत्र देवी चरन गोस्वामी भट्टा से ट्रैक्टर ट्राली में ईंट भरकर मथुरा के लिए जा रहा था।

थाना जैंत क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर जीएलए यूनिवर्सिटी के गेट के समीप तेज गति से आते ट्रक ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रक ट्रैक्टर को काफी दूर घसीटता हुआ ले गया और दोनों वाहन सड़क किनारे बने

ट्रक के नीचे दबे चालक के शव को पुलिस ने क्रेन से निकलवाया

डिवायडर पर चढ़ कर पलट गए। ट्रैक्टर चला रहा मुनेश ट्रक के नीचे दब गया, जबकि ट्रैक्टर टूटकर दो टुकड़ों में बंट गया। दुर्घटना को देख कर लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस को भी बुलाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक के नीचे दबे चालक को क्रेन की सहायता से काफी मशक्कत के बाद बाहर निकवलाया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को वहां से हटवाने के बाद वाहनों को वहां से निकलवाया। दुर्घटना के बाद हाइवे पर वाहनों की लाइन लग गई थी।

पुल पर टायर बदलते चालक को कंटेनर ने रौंदा, मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के जयगुरूदेव पुल पर मैजिक का टायर बदलने के दौरान चालक को पीछे से तेज गति से आते कंटेनर ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

थाना हाईवे की आंबेडकर कॉलोनी निवासी सचिन मोदी (26) पुत्र कप्तान कल देर सायं अपनी टाटा मैजिक (टेंपो) को लेकर आगरा की ओर से आ रहा था। जयगुरुदेव पुल पर उसकी टाटा मैजिक का टायर पंचर हो गया। उसने गाड़ी को वहीं खड़ा कर दिया। टायर को खोल कर पंचर लगवाने के लिए दुकान पर ले गया। बताया गया कि वह पंचर ठीक कराने के बाद पुल पर खड़ी गाड़ी में टायर बदल रहा था। इसी बीच पीछे से तेज गति से आते बंद बॉडी के कंटेनर ने सचिन मोदी को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची हाईवे पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना के बारे में पता लगने पर युवक के परिवार में कोहराम मच गया।

झुक गया बिजली का पोल कभी हो सकता है हादसा

यूनिक समय, फरह। कस्बा के वार्ड पांच में एक बिजली का पोल काफी झुक गया है, जिससे किसी दिन हादसे की संभावना है। स्थानीय सभासद और लोगों ने गिरासू बिजली के पोल को बदलवाने की मांग की है। नगर पंचायत के सभासद प्रतिनिधि ने इस समसया को लेकर बिजली अधिकारियों को पत्र भी लिखा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कस्बा के वार्ड पांच के मध्य से गुजर रही उच्च वोल्टेज विद्युत लाइन का एक पोल अत्यंत जर्जर और खतरनाक स्थिति में झुका हुआ है। नीचे से गलने की वजह से यह पोल गिरने की कगार पर है, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

सभासद प्रतिनिधि हुकम सिंह प्रजापति ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग को अवगत कराया जा चुका है। लगभग छह माह पूर्व पोल के नीचे बेल्डिंग से सपोर्ट बनाकर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया था, लेकिन आज तक पोल को सीधा करने या बदलने की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सभासद और स्थानीय लोगों का कहना है कि अब काफी झुका हुआ

कस्बा के वार्ड पांच में गिरासू बिजली का पोल।

बिजली पोल किसी दिन हादसे की वजह बन सकता है। अवर अभियंता और एसडीओ को इस ओर ध्यान देना चाहिए। एसडीओ देवेन्द्र कुमार का कहना है कि मामले की जानकारी कराकर आवश्यक काम कराया जाएगा।

मानसी गंगा में डूबने से दो किशोरों की मौत

यूनिक समय, गोवर्धन। मानसी गंगा में स्नान के दौरान पैर फिसलने से दो किशोरों की पानी में डूबने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मनसुखपुर ,धौलपुर राजस्थान निवासी किशोर प्रिंस तोमर और मनीष तोमर अपने परिजनों के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने के लिए गोवर्धन आए थे। परिक्रमा के बाद सुबह करीब छह बजे परिवार के लोग मानसी गंगा में स्नान कर रहा था। इसी

परिवार का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

दौरान प्रिंस और मनीष का पैर फिसल गया और वह मानसी गंगा के गहरे पानी में जाकर डूब गए। परिजनों ने डूबते किशोरों को बचाने के लिए काफी शोर किया, लेकिन उस समय तक दोनों डूब चुके थे। मानसी गंगा में दो किशोरों के डूबने की सूचना परिवार के लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना दिए जाने के करीब एक घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों की टीम को बुलाकर युवकों को मानसी गंगा में ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। दस बजे गोताखोर टीम ने काफी मशक्कत के बाद करीब चार घंटे बाद दोनों शव को मानसी गंगा से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मानसी गंगा पर गोताखोरों न होने पर लोगों में आक्रोश

यूनिक समय, गोवर्धन। अधिक मास में गिरिराज जी की परिक्रमा करने के बाद श्रद्धालु मानसी गंगा में स्नान करते हैं। इसके बाद भी वहां गोताखोर आदि की व्यवस्था न होने पर लोगों ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए गोताखोर और दूसरी सुविधाएं वहां उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। मानसी गंगा पर गोताखोरों के साथ-साथ लंगर, जाल , स्टीमर वोट, इत्यादि की व्यवस्था न किए जाने को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि हमेशा प्रशासन घटना होने के बाद ही नींद से जगाता है। आज मानसी गंगा में दो किशोरों की पानी में डूबकर हुई मौत से उनके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। लोगों ने जैसे तैसे सांत्वना देकर उनको शांत कराया। नगर पंचायत द्वारा मानसी गंगा पर गोताखोरों सहित अन्य व्यवस्था नहीं किए जाने पर भी लोगों ने नाराजगी जताई है।

पेट दर्द के मरीज की आंत के ऑपरेशन के बाद हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। पेट में दर्द का इलाज कराने के लिए आए के मरीज का एक नर्सिंग होम के चिकित्सकों ने आंत का ऑपरेशन कर दिया। आरोप है कि ऑपरेशन ठीक न होने के कारण मरीज की छुट्टी कर दी। बाद में हालत बिगड़ने पर उसे इलाज नहीं दिया, जिससे उसकी नर्सिंग होम के बाहर ही मौत हो गई। परिवार के लोगों ने इस मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की है।

थाना गोवर्धन के गांव महरौली निवासी युवक मुकेश के परिवार का कहना है कि मुकेश के पेट में दर्द होन पर उसे ओद्यौगिक क्षेत्र स्थित एक हॉस्पिटल में 28 मई को इलाज के लिए लाए थे। चिकित्सकों ने उसका तुरंत आंत का ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद उसकी हालत में सुधार नहीं आया। चिकित्सकों ने उसे चार मई को हॉस्पिटल से

परिवार के लोगों ने लगाया डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

डिस्चार्ज कर दिया। घर लाने पर उसकी हालत खराब होने पर कल दोबारा इलाज के लिए उसे हॉस्पिटल लेकर आए। डॉक्टर ने मरीज को न तो इलाज ही दिया और ना हीं उसे हॉस्पिटल के अंदर आने दिया, जिससे उसकी वहां मौत हो गई। मुकेश की मौत के बाद वहां कुछ देर हंगामा खड़ा हो गया। पुलिस को भी इस बारे में पता लगा तो वह भी मौके पर आ गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों ने डॉक्टर पर इलाज में बरती जाने वाले लापरवाही आदि का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिले में कम होने के बजाय बढ़ रहा है टीबी का खतरा

छह महीने में मिले 6400 नए मरीज

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी में टीबी के मरीज बढ़ रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। इस साल के पहले पांच महीनों में ही जिले में 6400 नए टीबी मरीज मिल चुके हैं। पिछले साल जिले को 16 हजार मरीज खोजने का लक्ष्य मिला था, लेकिन लक्ष्य से करीब एक हजार ज्यादा मरीज सामने आए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है, लेकिन फिर भी टीबी के मामले कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। इससे साफ है कि अभी भी लोग बीमारी के लक्षणों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मथुरा एक प्रमुख धार्मिक नगरी है, जहां देश के अलग–अलग राज्यों से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। इनमें से लोग बीमार होने पर यहां जांच कराते हैं, इसलिए जिले के आंकड़ों में बाहरी मरीज भी शामिल हैं। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर बढ़ रहे मरीज चिंता का विषय बने हुए हैं।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि टीबी अब

जागरूकता के बावजूद नहीं थम रही बीमारी

डॉक्टर बोले— समय पर जांच और पूरा इलाज ही बचाव

लाइलाज बीमारी नहीं है। समय पर जांच और नियमित दवा लेने से मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। लेकिन लोग अक्सर लगातार खांसी, बुखार और कमजोरी को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे रोग बढ़ जाता है और दूसरे लोगों तक भी फैल सकता है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरे जनपद में समय–समय पर टीबी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाता है,इससे ऐसा लगता है कि लोग इसे नजर अंदाज कर रहे है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि जिले में ज्यादातर टीबी से पीड़ित बाहर के लोग है,जो लोग यहां पर दर्शनों के लिए आते है,जब अचानक बीमार हो जाते है,जब उनकी जांच कराई जाती है,तो टीबी से पीड़ित भी निकलते है। काफी ऐसे भी लोग है जो जिले में आकर भट्टों पर काम रहे है,ऐसे केस भी काफी टीबी से पीड़ित निकले है। इजाल सभी का चल रहा है। बाहर के काफी संख्या में ऐसे मरीज है, जो जिले में अपना टेस्ट कराकर चले गए है,ऐसे भी काफी केस दर्ज है। उनकी वजह से संख्या में इजाफा हुआ है। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि टीबी के बढ़ते मामलों के पीछे लोगों में जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण है। यदि लोग शुरुआती लक्षण दिखते ही जांच करा लें और दवा का पूरा कोर्स करें तो बीमारी को फैलने से रोका जा सकता है।

इन लक्षणों पर ध्यान भी दीजिए

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से ज्यादा खांसी रहे, लगातार बुखार आए, वजन कम हो रहा हो, भूख न लग रही हो या रात में ज्यादा पसीना आता हो तो तुरंत टीबी की जांच करानी चाहिए। दो सप्ताह से ज्यादा खांसी हो तो तुरंत जांच करानी चाहिए, डॉक्टर की सलाह के बिना दवा बंद नही करनी चाहिए खांसते और छींकते समय मुंह पर रूमाल या मास्क रखें जिससे सामने वालों पर इसके कीटाणु नहीं जाने चाहिए, पौष्टिक भोजन करना चाहिए। टीबी से डरने की नहीं, समय पर जांच और इलाज कराने की जरूरत है। थोड़ी सी सावधानी न केवल मरीज की जान बचा सकती है।उन्होंने बताया कि पूरे जिले में सरकारी, गैर सरकारी अस्पतालों में लोग इस बीमारी का इलाज करा रहे है। जिले के सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में टीबी की जांच और इलाज पूरी तरह मुफ्त है। मरीजों को दवाएं भी निशुल्क दी जाती हैं।

अधिक मास में श्रद्धालुओं को बांटी जलेबी–दही

भंडारा वितरित करते होली गेट–कोतवाली रोड व्यावसायिक समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में होली गेट–कोतवाली रोड व्यावसायिक समिति द्वारा श्रद्धालुओं और परिक्रमार्थियों के लिए जलेबी और दही वितरण का आयोजन किया गया। शुभारंभ करते हुए नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महानगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि अधिक मास में ब्रज आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य की बात है और इसी भावना के साथ यह सेवा कार्य निरंतर किया जा रहा है। व्यावसायिक समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता ने बताया कि अधिक मास में यहां आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत–सत्कार के उद्देश्य से स्थानीय व्यापारियों ने यह विशेष पहल की है।

कार्यक्रम में नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग, सुनील साहनी, संरक्षक जगदीश गुप्ता, गुरमुख दास, श्रीभगवान चतुर्वेदी, विकास जिंदल,मुकेश अग्रवाल, सुनील बंसल, मनोज अग्रवाल, दीपक यादव, मनोज खत्री, पंकज अग्रवाल, दीपक सोनी, रास बिहारी अग्रवाल सहित अनेक व्यापारी नागरिक उपस्थित रहे।

फर्जी अंगूठा लगाकर करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप

यूनिक समय, छाता। तहसील के ग्राम खरोट में करोड़ों रुपये मूल्य की कृषि भूमि को कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के जरिए अपने नाम कराने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि भू–माफिया ने वृद्ध महिला के फर्जी अंगूठे के निशान का इस्तेमाल कर करीब डेढ़ एकड़ जमीन का बैनामा अपने पक्ष में करा लिया। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री, एसएसपी और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से की गई है।

पीड़ित ने मुख्यमंत्री, एसएसपी और प्रशासनिक अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार

ग्राम खरोट निवासी विजेंद्र सिंह ने बताया कि उनके परिवार की पुश्तैनी कृषि भूमि है। करीब डेढ़ एकड़ क्षेत्रफल वाली यह भूमि उनकी माता ज्ञानवती के नाम दर्ज है। आरोप है कि कुछ लोगों ने सुनियोजित साजिश के तहत उनकी वृद्ध माता की जानकारी के बिना फर्जी अंगूठे के निशान तैयार कराए और 8 जनवरी 2025 को जमीन का बैनामा अपने नाम करा लिया। पीड़ित का कहना है कि जब उन्हें फर्जी रजिस्ट्री की जानकारी मिली तो उन्होंने संबंधित लोगों से इसका विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें जान से मारने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। विजेंद्र सिंह ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

युवती से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने युवती के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, एक युवती ने तहरीर दी। बताया कि नकुल निवासी रेलवे लाइन झौंपड़ पट्टी ओमनगर जन्म भूमि लिंक रोड द्वारा उसके साथ छेड़ छाड़ और अश्लील हरकत की जाती हैं, विरोध पर जान से मारने की धमकी दता है। इस पर पुलिस ने नकुल को गड्ढा कॉलोनी बाल्मिकी बस्ती ओमनगर से गिरफ्तार किया है।

चोरी के पांच मोबाइल सहित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने मानागढ़ी बाजना रोड पर चांदपुर जाने वाले रास्ते से अभियुक्त गजेंद्र उर्फ मटोला थाना टप्पल जिला अलीगढ़ को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के पंच मोबाइल बरामद किए हैं।

पत्नी की हत्या कर जान देने वाले ने की दो लव–मैरिज

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे क्षेत्र में लव मैरिज के कुछ समय बाद पत्नी को मारकर स्वयं जान देने वाले युवक ने दो शादी की थीं। दो शादियों की वजह से मामला हत्या और आत्म हत्या तक पहुंचा। मिथुन और पुख्खन की कहानी शुरू तो प्रेम विवाह से हुई थी, लेकिन समय के साथ अविश्वास, दूसरी शादी और पारिवारिक हस्तक्षेप ने इसे हिंसक मोड़ दे दिया।

झांसी जिले के बबीना थाना क्षेत्र के आरा मशीन स्थित गांधी पार्क के पास रहने वाले मिथुन के परिजन बताते हैं कि मिथुन बेटा गाड़ी चलाता था। सगी बुआ दतिया के बसई थाना क्षेत्र के कंधाई गांव में उस का आना–जाना लगा रहता था। मिथुन का बुआ की बेटी पुख्खन से अफेयर हो गया। एक बार दोनों घर से भाग गए। पुलिस ने दोनों को पकड़ा। लेकिन, कुछ दिन बाद दोबारा दोनों भाग गए।

मिथुन तीसरी बार पुख्खन को लेकर भाग गया। दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। पुख्खन ने एक बच्चे को जन्म दिया था,

लेकिन एक दिन बाद ही बच्चा मर गया। शादी के बाद दोनों दिल्ली रहने लगे। वहां मिथुन गाड़ी चलाता था।

परिजनों के अनुसार, मिथुन की संगत ठीक नहीं थी। दोस्तों के जरिए उसकी पास की कॉलोनी में रहने वाली यादव समाज की एक लड़की से दोस्ती हो गई। इस दौरान मिथुन उस लड़की को घर से भगाकर ले गया और शादी कर ली। जब मोबाइल पर शादी की वीडियो आई, तो हमें इस बारे में पता चला। इसके बाद पुख्खन नाराज हो गई। लड़की के परिवार वालों ने भी बबीना थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया।

उस लड़की को पता था कि मिथुन

फुफेरी बहन के बाद गर्लफ्रेंड से शादी की

नाराज हुई तो पहली पत्नी को मारी गोली

पहले से शादीशुदा है। फिर भी वो शादी करने को तैयार हो गई। जब पंचायत हुई तो मिथुन और उस लड़की को समझाया। दोनों ने एक–दूसरे से नाता तोड़ दिया और लड़की ने मंगलसूत्र उतार दिया। मिथुन के दूसरी शादी करने से पुख्खन बहुत नाराज थी। उसने थाने में शिकायत दी थी। काफी समझाने के बाद भी वह मिथुन के साथ रहना नहीं चाहती थी। 3 महीने से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। मिथुन को अब अपनी गलती का एहसास था। वह पुख्खन को बार–बार फोन कर वापस आने के लिए कहता था कि अब मैं किसी से बात नहीं करूंगा, तुम बस एक बार घर वापस आ जाओ। लेकिन, वो वापस नहीं आई।

सर्वर डाउन होने से महुअन टोल पर लगी वाहनों की लंबी लाइन

महुअन टोल प्लाजा पर तकनीकी समस्या से लगी वाहनों की लाइन।

यूनिक समय, फरह। शनिवार को तकनीकी समस्या के चलते वाहन चालकों को परेशान होना पड़ा। महुअन टोल प्लाजा पर सर्बर की सुस्त गति से वाहन को बूथ से निकलने में देरी हुई, जिससे चालक और यात्री परेशान होते रहे। वाहनों की करीब आधा किमी. लंबी लाइन से हर कोई परेशान रहा।

हाइवे स्थित महअन टोल प्लाजा पर तकनीकी समस्या की वजह से वाहनों की लाइन लगती रही।

मथुरा की ओर वाहनों की तीन लंबी लाइन करीब आधा किमी. की लग गई। सर्बर की गति सुस्त होने से एक वाहन को पास होने में दो से तीन मिनट का समय लगता रहा। इस समस्या की वजह से टोल पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। ऐसे में चालक और यात्री परेशान होते रहे, जबकि सुरक्षाकर्मी और अन्य स्टाफ के लोग समझाने में जुटे रहे।

टोल के मैनेजर ओकिल शर्मा ने बताया कि सर्बर की कोईसमस्या नहीं थी। मथुरा की ओर से आज अधिक वाहनों का आना रहा, जिससे यह लाइन लगी। यह हर शनिवार और रविवार को होता है।

समाधान दिवस : शिकायत निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

गोवर्धन तहसील में आयोजित समाधान दिवस में शिकायते सुनते डीएम सीपी सिंह आदि।

गोवर्धन में डीएम के समक्ष 50 शिकायतें दर्ज

मांट तहसील के समाधान दिवस में आई 58 शिकायतें

मांट तहसील पर संपूर्ण समाधान दिवस पर फरियादियों की शिकायत सुनते एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत, एसडीएम दीपर मेहर, सीओ मांट संदीप कुमार सिंह आदि।

यूनिक समय, गोवर्धन/सुरीर। शनिवार को तहसील परिसर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान 50 शिकायत दर्ज कराई गईं, लेकिन समाधान एक का भी नहीं हुआ। डीएम सीपी सिंह की अध्यक्षता और एसएसपी श्लोक कुमार की उपस्थिति में हुए समाधान दिवस में फरियादियों ने कुल 50 शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें सर्वाधिक मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे। पुलिस, विकास और अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें भी अधिकारियों के समक्ष रखी गईं, लेकिन किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। डीएम ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मांट तहसील के सभागार में आज आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जनसुनवाई की गई। इस मौके पर 58 शिकायतें आई, पांच का अधिकारियों ने मौके पर निस्तारण करा दिया।

समाधान दिवस में एएसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एसडीएम मांट दीपिका मेहर और सीओ मांट संदीप कुमार सिंह ने तहसीलदार–सुशील कुमार व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 58 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

एएसएम पॉलिटेक्निक की अनोखी पहल

छात्राओं को मिलेगी फीस में छूट : उमाशंकर अग्रवाल

बेटियों के सपनों को मिलेगा सहारा

चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल

यूनिक समय,मथुरा। देश में बेटियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने को चल रही बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ मिशन के तहत एएसएम पॉलिटेक्निक ने एक सराहनीय कदम उठाया है। संस्थान की ओर से छात्राओं को शिक्षा के उपहार के रूप में प्रवेश के समय फीस में छूट देने की घोषणा की गई है।

संस्था के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने घोषणा कर नई पहल का शुभारंभ करते हुए कहा कि टेक्निकल डिप्लोमा में इस वर्ष से कोर्स में प्रति वर्ष छात्राओं को विशेष छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बेटियों को उच्च और तकनीकी शिक्षा देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। लोग फीस ज्यादा होने के कारण नहीं पढ़ा पाते है। उन बेटियों को आगे बढ़ाना है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं। यह छूट संस्थान में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को दी जाएगी। वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल, बीएसएसीईटी के डायरेक्टर प्रो. श्याम एस अग्रवाल और एएसएम पॉलीटेक्निक के डायरेक्टर विशाल लाल गोस्वामी ने संस्थान के इस फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब परिवारों की बेटियां भी अब बिना किसी वित्तीय बोझ के प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्स कर सकेंगी।

संघ शिक्षा वर्ग के शिक्षार्थियों का निकला पथ संचलन

पथ संचलन के साथ संघ बैंड के साथ स्वयंसेवक।

ओल में भव्य पथ संचलन का पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

यूनिक समय, फरह। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में चल रहे 15 दिवसीय संघ शिक्षा सामान्य और विशेष वर्ग के अंतर्गत शिक्षार्थियों ने अनुशासन, संगठन और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हुए भव्य पथ संचलन निकाला। पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में कदम से कदम मिलाकर अनुशासित ढंग से संचलक निकाला ।

पथ संचलन के दौरान घोष वादकों की मधुर धुनों के साथ स्वयंसेवक तय मार्गों से होकर गुजरे। संचलन गांव ओल के आरडी इंटर कॉलेज परिसर से प्रारंभ होकर पीपला रोड, ब्राह्मण मोहल्ला और ओल चौकी मार्ग से होते हुए पुनः आरडी इंटर कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में स्वयंसेवकों की एकरूपता, अनुशासन और समर्पण का भाव देखने को मिला।

संचलन के दौरान विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। मार्ग में जगह–जगह लोगों ने खड़े होकर पथ संचलन का अवलोकन किया । इस दौरान गांव ओल का वातावरण राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता के भाव से ओत–प्रोत दिखाई दिया।

संघ शिक्षा वर्ग में विभिन्न जनपदों से आए शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वर्ग के माध्यम से स्वयंसेवकों को शारीरिक, बौद्धिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता, सामाजिक दायित्वबोध और राष्ट्रसेवा की भावना का विकास हो सके।

पथ संचलन के दौरान मुख्य शिक्षक माधव, वर्ग सर्वाधिकारी राजकुमार, वर्ग पालक महावीर, वर्ग कार्यवाह विजेंद्र, वर्ग बौद्धिक प्रमुख नरेंद्र, वर्ग व्यवस्था प्रमुख विजेंद्र, प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, विभाग प्रचारक पारस और जिला प्रचारक कुशअवतार सहित संघ के अनेक पदाधिकारी- कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नरेंद्र शर्मा, दीपक चौधरी, मनीष ओझा, प्रकाश, सिद्धार्थ, लकी, विक्रांत, संतोष और गुड़िया देवी सहित अनेक नागरिकों ने स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत- अभिनंदन किया।

टीटीए का गठन,व्यापारी और उद्यमी हितों को होगा कार्य

टीटीए की नई कार्यकारिणी गठन के बाद सम्मानित पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। द ट्रेडर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक स्थानीय होटल में आयोजित की गई। बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, व्यापारियों और उद्यमियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया गया। संस्था के अध्यक्ष चिराग अग्रवाल ने बताया कि द ट्रेडर्स एसोसिएशन को देश के व्यापारियों की प्रमुख संस्था कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब टीटीए, कैट के नेतृत्व में व्यापारियों और उद्यमियों के हितों के लिए कार्य करेगी।

बैठक में इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल 'हाथी वाले ने कहा कि युवा उद्यमियों को व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया जाए। नई कार्यकारिणी में राजेंद्र अग्रवाल 'हाथी वाले' को मुख्य संरक्षक, संजय चतुर्वेदी को चेयरमैन, योगेश द्विवेदी को उपाध्यक्ष, दीपक सिंघल को महासचिव, पवन ठाकुर को सचिव और मुकेश उपाध्याय को कोषाध्यक्ष चुना गया। महासचिव सिंघल ने बताया कि बैठक के दौरान नए सदस्यों को सदस्यता प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। वरिष्ठ व्यापारी राजेंद्र अग्रवाल 'हाथी वाले' को उनके व्यापारिक और सामाजिक योगदान के लिए 'वरिष्ठ व्यापारी रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया। बैठक में विनोद अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, माधव गर्ग, अंकित गोयल, युवराज अग्रवाल, पवन ठाकुर, योगेश द्विवेदी, राजन गौतम, संजय चतुर्वेदी, गौरांग सिंघल, दिलीप गर्ग, नितिन सर्राफ, नीरज मौर्य, तरुण वर्मा सहित अनेक युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

धूम्रपान या वायु प्रदूषण फेफड़ों के लिए कौन है बड़ा दुश्मन

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में फेफड़ों से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इसके पीछे दो प्रमुख कारण माने जाते हैं–धूम्रपान और वायु प्रदूषण। अक्सर लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर फेफड़ों को ज्यादा नुकसान किससे पहुंचता है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों ही फेफड़ों के लिए बेहद खतरनाक हैं, लेकिन इनके प्रभाव और जोखिम को समझना जरूरी है। धूम्रपान से बढ़ता है

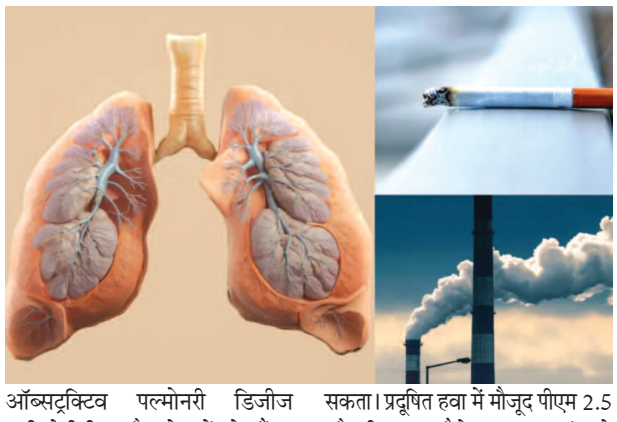

गंभीर बीमारियों का खतरा : स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार सिगरेट के धुएं में 7,000 से अधिक रसायन पाए जाते हैं। इनमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। धूम्रपान करने पर ये जहरीले पदार्थ सीधे फेफड़ों तक पहुंचते हैं और धीरे–धीरे उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित करने लगते हैं। लंबे समय तक स्मोकिंग करने से फेफड़ों में सूजन, सांस लेने में परेशानी, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और फेफड़ों के कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि धूम्रपान करने वालों के फेफड़े लगातार हानिकारक रसायनों के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य तेजी से प्रभावित होता है।

वायु प्रदूषण भी बन रहा खतरा: वायु प्रदूषण को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। प्रदूषित हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कण सांस के जरिए फेफड़ों में पहुंचकर सूजन और संक्रमण का कारण बनते हैं। महानगरों और औद्योगिक क्षेत्रों में रहने वाले लोग लंबे समय तक प्रदूषित हवा के संपर्क में रहते हैं, जिससे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, एलर्जी और सांस संबंधी अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। आखिर कौन ज्यादा नुकसानदायक? विशेषज्ञों के

धूम्रपान और प्रदूषित हवा दोनों हैं खतरनाक

मुताबिक दोनों की सीधी तुलना करना आसान नहीं है। यदि कोई व्यक्ति नियमित रूप से धूम्रपान करता है तो उसके लिए स्मोकिंग का खतरा अधिक माना जाता है। वहीं, अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले गैर–धूम्रपान करने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। फेफड़ों को सुरक्षित रखने के उपाय फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों से पूरी तरह दूरी बनाएं। प्रदूषण वाले दिनों में मास्क का इस्तेमाल करें, नियमित व्यायाम करें, घर और कार्यालय में उचित वेंटिलेशन रखें तथा सांस से जुड़ी किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। समय–समय पर स्वास्थ्य जांच कराना भी फायदेमंद साबित हो सकता है।

खट्टे–तीखे स्वाद का अनोखा संगम

बिना तेल बनाएं राजस्थान का स्वादिष्ट पानी वाला अचार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान अपनी समृद्ध खानपान संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों के लिए देशभर में पहचान रखता है। यहां के मसालेदार पकवान, चटनियां और अचार लोगों को खूब पसंद आते हैं। इन्हीं खास व्यंजनों में शामिल है हरी मिर्च का पानी वाला अचार, जिसे राजस्थान के कई हिस्सों में कांजी की मिर्च भी कहा जाता है। यह अचार अपने खट्टे, तीखे और चटपटे स्वाद के कारण खाने की थाली को खास बना देता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसे तैयार करने में तेल का उपयोग नहीं किया जाता, फिर भी इसका स्वाद लाजवाब होता है। गर्मियों और बरसात के मौसम में यह अचार खास तौर पर बनाया जाता है। कई परिवारों में इसे पारंपरिक तरीके से तैयार कर लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाता है। इस अचार की खासियत केवल इसकी मसालेदार

मिर्च ही नहीं, बल्कि इसका स्वादिष्ट पानी भी होता है, जिसे लोग बड़े चाव से पीते हैं। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी सहायक माना जाता है। इस अचार को बनाने के लिए 250 ग्राम ताजी हरी मिर्च, दो बड़े चम्मच दरदरी पिसी पीली सरसों, एक बड़ा चम्मच सौंफ पाउडर, आधा चम्मच हल्दी, एक चुटकी हींग, एक चम्मच

पेट के लिए माना जाता है लाभकारी

काला नमक, स्वादानुसार सफेद नमक, दो नींबू का रस और आवश्यकतानुसार पानी की जरूरत होती है। सबसे पहले हरी मिर्च को अच्छी तरह धोकर पूरी तरह सुखा लें। इसके बाद मिर्च को हल्का स्टीम कर लें ताकि उसका स्वाद और बनावट बेहतर हो जाए। अब पीली सरसों, सौंफ, हल्दी, हींग, काला नमक और सफेद नमक को मिलाकर दरदरा मसाला तैयार करें। मिर्चों में लंबाई में हल्का चीरा लगाकर तैयार मसाला भर दें। इसके बाद इन मिर्चों को एक साफ और सूखे कांच के जार में रखें। बचा हुआ मसाला भी जार में डाल दें। अब मिर्च उबालने वाले ठंडे पानी में नींबू का रस मिलाकर जार में भर दें। जार को अच्छी तरह बंद करके 2 से 3 दिन तक धूप में रखें। इस दौरान रोजाना एक बार जार को हल्के हाथों से हिलाते रहें। कुछ दिनों बाद अचार पूरी तरह तैयार हो जाएगा। पराठे, दाल–चावल, खिचड़ी या रोजमर्रा के भोजन के साथ इसका खट्टा–तीखा स्वाद खाने का आनंद कई गुना बढ़ा देता है। स्वाद और परंपरा का यह अनोखा संगम हर किसी को पसंद आ सकता है।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट लीची चीज केक

गर्मियों में ठंडा मीठा स्वाद

शेफ संजीव कपूर की आसान रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में बाजार में मिलने वाली रसीली और मीठी लीची से कई तरह की स्वादिष्ट डिश तैयार की जा सकती हैं। यदि आप कुछ नया और खास बनाने का शौक रखते हैं, तो लीची चीज केक आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। मशहूर शेफ संजीव कपूर ने इसकी आसान रेसिपी साझा की है, जिसे घर पर बिना ज्यादा मेहनत के तैयार किया जा सकता है। इस खास चीज केक को बनाने के लिए 10–12 लीची, कुछ ताजा पुदीने की पत्तियां, पिसी हुई चीनी, जिलेटिन, क्रीम चीज, कंडेंस्ड मिल्क, ताजी क्रीम, व्हीप्ड क्रीम और डाइजेस्टिव बिस्कुट की जरूरत होती है। सबसे पहले लीची को छीलकर उसके बीज निकाल लें। इसके बाद सिलिकॉन मोल्ड में पुदीने की पत्तियां और लीची सजाकर रखें। पिघली हुई जिलेटिन और पिसी चीनी का मिश्रण तैयार कर इसे लीची के ऊपर डालें और एक घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रख दें। दूसरे चरण में क्रीम चीज, कंडेंस्ड मिल्क, ताजी क्रीम और व्हीप्ड क्रीम को अच्छी तरह फेंटकर मुलायम मिश्रण तैयार करें। इसमें पिघली हुई जिलेटिन मिलाकर पहले से जमे लीची मिश्रण के ऊपर डाल दें। अब डाइजेस्टिव बिस्कुट को बारीक क्रश करके इस पर फैलाएं और हल्के हाथों से दबा दें। इसके बाद चीज केक को एक से दो घंटे तक फ्रिज में जमने के लिए रखें। जब चीज केक पूरी तरह सेट हो जाए तो इसे सावधानी से मोल्ड से निकालकर सर्विंग प्लेट में रखें। ठंडा–ठंडा परोसा गया यह लीची चीज केक स्वाद में बेहद लाजवाब लगता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को इसका अनोखा स्वाद पसंद आएगा। गर्मियों में घर आने वाले मेहमानों के लिए यह एक शानदार डेजर्ट साबित हो सकता है। लीची की प्राकृतिक मिठास और क्रीमी टेक्सचर का यह अनूठा मेल आपके स्वाद को यादगार बना देगा।

घर का प्रोटीन पाउडर देगा सेहत और ताकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिटनेस के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ प्रोटीन सप्लीमेंट्स की मांग भी तेजी से बढ़ी है। जिम जाने वाले युवाओं से लेकर वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोग तक प्रोटीन पाउडर का सेवन कर रहे हैं। हालांकि बाजार में मिलने वाले कई सप्लीमेंट्स महंगे होने के साथ–साथ मिलावट की आशंका भी रखते हैं। ऐसे में घर पर तैयार किया गया प्राकृतिक प्रोटीन पाउडर एक बेहतर और किफायती विकल्प बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार घर में उपलब्ध बादाम, भुना चना, मूंगफली, ओट्स, अलसी और कद्दू के बीज जैसे खाद्य पदार्थ प्रोटीन, फाइबर और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनसे तैयार किया गया प्रोटीन पाउडर शरीर को ऊर्जा देने के साथ मांसपेशियों को भी मजबूती प्रदान करता है। इसे बनाने के लिए एक कप भुना चना, एक कप बादाम, एक कप भुनी हुई

मूंगफली, आधा कप ओट्स, एक चौथाई कप अलसी के बीज, एक चौथाई कप कद्दू के बीज और दो चम्मच इलायची पाउडर की आवश्यकता होती है। सबसे पहले बादाम, मूंगफली, ओट्स, अलसी और कद्दू के बीज को हल्का भून लें। ठंडा होने के बाद सभी सामग्री को मिक्सर में डालकर बारीक पीस लें। अंत में इसमें इलायची पाउडर मिलाकर एयरटाइट कंटेनर में सुरक्षित रख दें। यह घरेलू प्रोटीन पाउडर कई तरह से लाभकारी माना जाता है। नियमित व्यायाम करने वालों के लिए यह मांसपेशियों की मरम्मत और विकास में मदद करता है। वर्कआउट के दौरान मांसपेशियों में होने वाली सूक्ष्म क्षति की भरपाई के लिए प्रोटीन बेहद आवश्यक होता है। इसके अलावा प्रोटीन युक्त भोजन लंबे

प्राकृतिक सामग्री से भरपूर पोषण

मांसपेशियों और फिटनेस का साथी

समय तक पेट भरा होने का एहसास कराता है, जिससे अनावश्यक भूख कम लगती है और वजन नियंत्रित रखने में सहायता मिलती है। कसरत या शारीरिक मेहनत के बाद होने वाली थकान और शरीर दर्द को कम करने में भी यह उपयोगी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित आहार के साथ प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त प्रोटीन शरीर के लिए अधिक सुरक्षित और लाभकारी होता है। ऐसे में घर पर तैयार किया गया यह प्रोटीन पाउडर स्वास्थ्य और बजट, दोनों के लिए बेहतर विकल्प बन सकता है।

सेहत का खजाना मानी जाती है कलबुर्गी रोटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में कर्नाटक की प्रसिद्ध कलबुर्गी रोटी का उल्लेख किया, जिसके बाद यह पारंपरिक व्यंजन चर्चा का विषय बन गया है। ज्वार के आटे से तैयार होने वाली यह रोटी स्वाद के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य लाभों के लिए भी जानी जाती है। कलबुर्गी रोटी कर्नाटक के कलबुर्गी क्षेत्र की विशेष पहचान मानी जाती है। इसे ज्वार के आटे से बनाया जाता है, जो मोटे अनाज की श्रेणी में आता है। ज्वार में भरपूर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम और अन्य आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ज्वार की रोटी पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद फाइबर भोजन को धीरे–धीरे पचाने में मदद करता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और बार–बार भूख नहीं लगती। यही वजह है कि वजन नियंत्रित करने वाले लोग भी इसे अपनी डाइट में शामिल करते हैं। ज्वार का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अपेक्षाकृत कम होता है, जिससे रक्त में शर्करा का स्तर तेजी से नहीं बढ़ता। इस कारण यह मधुमेह के मरीजों के लिए भी एक बेहतर विकल्प माना जाता है। इसके अलावा ज्वार ग्लूटेन–फ्री होता है, इसलिए गेहूं से एलर्जी या संवेदनशीलता रखने वाले लोग भी इसका सेवन कर सकते हैं। स्वाद और पोषण का अनूठा मेल मानी जाने वाली कलबुर्गी रोटी आज देशभर में लोकप्रिय हो रही है। यह न केवल पारंपरिक भारतीय खानपान की समृद्ध विरासत को दर्शाती है, बल्कि मोटे अनाज के प्रति लोगों को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सेहतमंद जीवनशैली अपनाने वालों के लिए यह रोटी एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

सुविचार

बीती बातों को भूलकर आज को बेहतर बनाना ही समझदारी है।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	02:41-03:24 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा	07:55-09:09 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:27 AM	चन्द्रोदय	12:13 AM
सूर्यास्त		7:08 PM	चंद्रास्त	12:08 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:25 PM: 07:08 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

जीवन में सटीक फैसले लेते हैं इन जन्मतिथियों के लोग

नेतृत्व क्षमता से बनाते अलग पहचान

हर निर्णय में दिखती गहरी समझ

मुश्किल हालात में भी नहीं डगमगाते इनके फैसले कभी

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में सफलता पाने के लिए सही समय पर सही निर्णय लेना बेहद जरूरी माना जाता है। चाहे बात व्यवसाय की हो, करियर की हो या फिर पारिवारिक जिम्मेदारियों की, बेहतर फैसले व्यक्ति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंक ज्योतिष के अनुसार कुछ जन्मतिथियों में जन्मे लोगों में निर्णय लेने की क्षमता स्वाभाविक रूप से अधिक मजबूत होती है। माना जाता है कि ऐसे लोग परिस्थितियों का गहराई से विश्लेषण कर संतुलित और व्यावहारिक फैसले लेने में सक्षम होते हैं। अंक ज्योतिष के जानकारों के अनुसार किसी भी महीने की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 22, 26, 28 और 31 तारीख को जन्मे लोगों में नेतृत्व, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे गुण अधिक देखने को मिलते हैं। यही विशेषताएं उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण मोड़ों पर बेहतर निर्णय लेने में सहायता करती हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मूलांक 1 वाले लोग, जिनका जन्म 1, 10, 19 और 28 तारीख को हुआ हो, आत्मविश्वासी और नेतृत्व क्षमता से भरपूर माने जाते हैं। ये लोग नई चुनौतियों को स्वीकार करने से नहीं घबराते और अपने निर्णयों पर दृढ़ रहते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी उनका आत्मविश्वास उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। वहीं 4, 13, 22 और 31 तारीख को जन्मे मूलांक 4 के लोग तार्किक सोच और रणनीतिक दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। किसी भी निर्णय से पहले वे सभी पहलुओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन करते हैं। यही कारण है कि उनके फैसले अक्सर दीर्घकालिक सफलता दिलाने वाले साबित होते हैं।

मूलांक 8 वाले लोग, जिनका जन्म 8, 17 और 26 तारीख को हुआ हो, धैर्य और अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। ये लोग जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेते, बल्कि हर पहलू का गहन विश्लेषण करने के बाद ही निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। संकट के समय में भी उनकी समझदारी और संतुलित सोच उन्हें भरोसेमंद नेता बनाती है।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि जन्मतिथि व्यक्ति की प्रवृत्तियों का संकेत दे सकती है, लेकिन सफलता और सही निर्णय लेने की क्षमता अनुभव, शिक्षा, ज्ञान और निरंतर सीखने की प्रक्रिया से भी विकसित होती है। इसलिए किसी भी व्यक्ति के लिए आत्मविश्वास, विवेक और सकारात्मक सोच सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर निर्णय लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

वृषभ: धन संबंधी मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

मिथुन: कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा। व्यापार में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। परिवार के किसी सदस्य की सलाह लाभकारी साबित होगी।

कर्क : भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में धैर्य से काम लें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

सिंह : आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। निवेश के लिए दिन अनुकूल है। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। मित्रों का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

कन्या: व्यापार और नौकरी दोनों क्षेत्रों में लाभ मिलने के योग हैं। योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी छोटी परेशानियां दूर होंगी।

तुला: कल भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभ पहुंचा सकते हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। यात्रा सुखद रहेगी।

वृश्चिक: महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं।

धनु : नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। नौकरी में पदोन्नति या प्रशंसा मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मकर: अनुशासन और मेहनत से सफलता प्राप्त होगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार के वरिष्ठ सदस्य का मार्गदर्शन मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

कुंभ: कल नए अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करें। मित्रों और सहयोगियों का समर्थन मिलेगा। निवेश से लाभ हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक सोच सफलता दिलाएगी।

मीन: आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। परिवार का सहयोग मिलेगा। करियर में नई संभावनाएं सामने आएंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या 15 जून को

पितृ कृपा और शिव आराधना का मिलेगा विशेष फल

दान, तर्पण और पूजा से खुलेंगे सुख–समृद्धि के द्वार

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व माना जाता है, लेकिन जब अमावस्या सोमवार के दिन पड़ती है तो उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस वर्ष 15 जून 2026 को पड़ने वाली सोमवती अमावस्या कई मायनों में खास मानी जा रही है, क्योंकि यह पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) के दौरान आ रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार ऐसा दुर्लभ संयोग लगभग तीन वर्ष बाद बन रहा है, जिससे इस दिन का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है।

उज्जैन के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार सोमवती अमावस्या भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा–अर्चना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत, पूजा और दान–पुण्य करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत अखंड सौभाग्य, पारिवारिक सुख और वैवाहिक जीवन की खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ अधिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 14 जून 2026 को दोपहर 12:19 बजे प्रारंभ होगी और 15 जून को सुबह 8:23 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर सोमवती अमावस्या का व्रत और पूजा 15 जून, सोमवार को की जाएगी। सुबह का समय स्नान, ध्यान, जप और दान के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन पितरों के निमित्त तिल, जल और सफेद पुष्प अर्पित कर तर्पण करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। माना जाता है कि इससे पितृ दोष के प्रभाव कम होते हैं और परिवार में सुख, शांति तथा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि इस दिन किया गया छोटा सा उपाय भी शुभ फल दे सकता है। पीपल के वृक्ष पर जल अर्पित कर परिक्रमा करने, जरूरतमंदों को दान देने और भगवान शिव का जलाभिषेक करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पुरुषोत्तम मास में आने वाली यह सोमवती अमावस्या श्रद्धालुओं के लिए पितृ आशीर्वाद, आध्यात्मिक उन्नति और शुभ फलों का दुर्लभ अवसर लेकर आ रही है।

सिर्फ फैशन नहीं, ये ब्रेसलेट बदल सकते हैं आपकी किस्मत

फैशन संग सकारात्मक ऊर्जा का दावा

सफलता और समृद्धि हेतु लोकप्रिय विकल्प

यूनिक समय, मथुरा। महिलाओं के बीच क्रिस्टल ब्रेसलेट्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इन्हें केवल फैशन एक्सेसरी नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और समृद्धि का प्रतीक भी माना जा रहा है। वर्किंग वुमन विशेष रूप से ऐसे ब्रेसलेट्स को पसंद कर रही हैं, जो उनके व्यक्तित्व को निखारने के साथ–साथ मानसिक संतुलन और प्रेरणा प्रदान करने का दावा करते हैं।

हालांकि क्रिस्टल्स के प्रभाव को लेकर कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं, फिर भी आध्यात्मिक और वेलनेस जगत में इनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। कई लोग इन्हें मैनिफेस्टेशन, मेडिटेशन और आत्म–विकास की प्रक्रिया का हिस्सा मानते हैं। कार्नेलियन ब्रेसलेट को साहस, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला माना जाता है। वहीं रेड जैस्पर स्थिरता और मानसिक मजबूती का प्रतीक माना जाता है। गार्नेट ब्रेसलेट आत्मविश्वास और रिश्तों में मजबूती लाने से जोड़ा जाता है, जबकि मूनस्टोन महिलाओं की भावनात्मक संतुलन और अंतर्ज्ञान को मजबूत करने वाला माना जाता है। आर्थिक समृद्धि की चाह रखने वाली महिलाओं के बीच सिट्रीन ब्रेसलेट सबसे अधिक लोकप्रिय है। इसे धन और सफलता आकर्षित करने वाला क्रिस्टल माना जाता है। पाइराइट को आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायक बताया जाता है। वहीं ग्रीन अवेंच्यूरिन को अवसर और सफलता का पत्थर कहा जाता है, जो करियर में नई संभावनाओं का प्रतीक माना जाता है। जेड ब्रेसलेट भी महिलाओं के बीच खासा लोकप्रिय है। विभिन्न संस्कृतियों में इसे शुभता, सौहार्द और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि यह सही निर्णय लेने और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में सहायता करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी क्रिस्टल का प्रभाव व्यक्ति की आस्था और सकारात्मक सोच से जुड़ा होता है। यही कारण है कि आज क्रिस्टल ब्रेसलेट्स फैशन और आत्मविश्वास दोनों का संगम बनकर महिलाओं की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

सम्पादकीय

बेटियों की उड़ान से बदल रहा भारत का भविष्य

जेईई एडवांस्ड 2026 के परिणाम ने भारतीय समाज में हो रहे एक सकारात्मक बदलाव को मजबूती से रेखांकित किया है। इस वर्ष पहली बार 10 हजार से अधिक छात्राओं ने देश की सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। यह केवल एक परीक्षा का परिणाम नहीं, बल्कि उस बदलती सोच का प्रमाण है जिसमें बेटियां अब सीमाओं को नहीं, संभावनाओं को पहचान रही हैं।

पवन गौतम
संपादक

एक समय था जब इंजीनियरिंग को मुख्य रूप से पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। विज्ञान और तकनीकी शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रहती थी। सामाजिक धारणाएं, संसाधनों की कमी और कई परिवारों की संकोची सोच उनके रास्ते में बाधा बनती थीं। लेकिन पिछले दशक में परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। परिवारों का दृष्टिकोण बदला है, शिक्षा के अवसर बढ़े हैं और बेटियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। आज की बेटी डॉक्टर, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी और शोधकर्ता ही नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग और तकनीक की दुनिया में भी अपनी मजबूत पहचान बना रही है। जेईई एडवांस्ड में छात्राओं की बढ़ती सफलता इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब विकास की मुख्यधारा में अधिक आत्मविश्वास के साथ शामिल हो रही है। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति का भी प्रतीक है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हालांकि इस सफलता के साथ एक महत्वपूर्ण चुनौती भी जुड़ी हुई है। केवल इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मिल जाना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। असली परीक्षा तब शुरू होती है जब ये युवा डिग्री लेकर रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं। आज भी बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग स्नातक अपनी योग्यता के अनुरूप अवसरों की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ा जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और उभरती तकनीकों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल और नवाचार का माध्यम बने।

बेटियों की यह सफलता आशा की नई किरण है। यदि उन्हें समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर रोजगार के मंच मिलते रहे, तो वे केवल अपने परिवारों का ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य का भी नेतृत्व करेंगी। यही आत्मविश्वास भारत की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है।

नजरिया

कॉकरोच राजनीति का उदय लोकतंत्र के लिए चेतावनी

बोध प्रकाश सगुणी

दिल्ली के जंतर–मंतर पर जुटी भीड़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय लोकतंत्र में राजनीति केवल संसद, विधानसभाओं और चुनावी मंचों तक सीमित नहीं रह गई है। सोशल मीडिया की दुनिया में जन्म लेने वाले विचार अब सड़कों पर उतरकर वास्तविक राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन करने लगे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी की पहली बड़ी रैली इसी बदलते राजनीतिक परिदृश्य का संकेत है।

पहली नजर में यह पूरा आंदोलन मजाक, व्यंग्य और इंटरनेट संस्कृति का हिस्सा दिखाई देता है। पार्टी का नाम ही ऐसा है कि सुनते ही लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ जाए। लेकिन राजनीति में कई बार मजाक के भीतर छिपे संदेश सबसे गंभीर साबित होते हैं। इतिहास गवाह है कि व्यंग्य और हास्य ने अनेक बार सत्ता, व्यवस्था और समाज की कमजोरियों को उजागर करने का काम किया है। कॉकरोच जनता पार्टी भी शायद उसी परंपरा का नया संस्करण है। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह नहीं है कि उसने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। राजनीतिक दल और संगठन आए दिन किसी न किसी मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते रहते हैं। असली सवाल यह है कि आखिर एक ऐसी पार्टी, जिसका जन्म सोशल मीडिया अभियानों और मीम संस्कृति से हुआ, वह हजारों युवाओं को जंतर–मंतर तक कैसे ले आई? इस प्रश्न का उत्तर भारत के बदलते सामाजिक और राजनीतिक वातावरण में छिपा है। आज का युवा पारंपरिक राजनीतिक भाषणों और पुराने नारों से जल्दी प्रभावित नहीं होता। वह सवाल पूछता है, तर्क मांगता है और अपनी बात कहने के लिए नए माध्यम तलाशता है। इंटरनेट ने उसे वह मंच दे दिया है। पहले जो असंतोष चाय की दुकानों और छात्रावासों तक सीमित रहता था, वह अब कुछ घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। कॉकरोच जनता पार्टी की कहानी भी इसी डिजिटल युग की उपज है। एक न्यायिक टिप्पणी से शुरू हुई बहस धीरे–धीरे व्यंग्यात्मक आंदोलन में बदली और फिर राजनीतिक रूप लेने लगी। यह घटना बताती है कि आज किसी विचार को स्थापित करने के लिए भारी–भरकम संगठनात्मक ढांचे की आवश्यकता पहले जैसी नहीं रह गई है। एक प्रभावशाली संदेश, कुछ समर्पित कार्यकर्ता और सोशल मीडिया की पहुंच मिलकर नई राजनीतिक ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। हालांकि यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी जरूरी है। सोशल मीडिया की लोकप्रियता को वास्तविक जनसमर्थन समझ लेना खतरनाक हो सकता है। डिजिटल दुनिया में ट्रेंड बनने और लोकतांत्रिक राजनीति में स्थायी स्थान बनाने के बीच लंबी दूरी होती है। इतिहास में ऐसे अनेक आंदोलन हुए हैं जो कुछ समय के लिए सुर्खियों में छाए रहे लेकिन बाद में गायब हो गए। इसलिए कॉकरोच जनता पार्टी के भविष्य का आकलन अभी करना जल्दबाजी होगी।

फिर भी इस आंदोलन ने स्थापित राजनीतिक दलों को एक स्पष्ट संदेश दिया है। युवाओं के भीतर शिक्षा, रोजगार और अवसरों को लेकर गहरी बेचैनी मौजूद है। जब पारंपरिक राजनीतिक दल इन मुद्दों पर भरोसेमंद समाधान देने में असफल दिखाई देते हैं, तब नई आवाजों के लिए जगह बनती है। यही कारण है कि जंतर–मंतर पर जुटी भीड़ को केवल एक विरोध प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह उस असंतोष का प्रतीक भी है जो धीरे–धीरे समाज के विभिन्न वर्गों में जमा हो रहा है।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवालों को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही की घटनाओं ने लाखों छात्रों के मन में अविश्वास पैदा किया है। जब किसी युवा की वर्षों की मेहनत

एक परीक्षा घोटाले की भेंट चढ़ जाती है, तब उसका गुस्सा केवल किसी एक विभाग के खिलाफ नहीं होता बल्कि पूरे सिस्टम के प्रति हो जाता है। यही भावना ऐसे आंदोलनों को ऊर्जा देती है। दिलचस्प बात यह है कि प्रदर्शन के दौरान किताब और तिरंगा लेकर आने की अपील की गई। यह प्रतीकात्मक राजनीति का नया रूप है। एक ओर शिक्षा का प्रतिनिधित्व करने वाली किताब, दूसरी ओर राष्ट्र की एकता का प्रतीक तिरंगा। इससे आंदोलन को केवल विरोध की बजाय वैचारिक स्वरूप देने की कोशिश दिखाई देती है। यह रणनीति युवाओं के बीच प्रभावी भी साबित हुई। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक दलों की बदलती कार्यशैली पर भी प्रश्नचिन्ह लगाया है। पहले राजनीतिक दलों को जनाधार बनाने में वर्षों लग जाते थे। अब सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ महीनों में राष्ट्रीय पहचान बन सकती है। लेकिन यही तेजी खतरे भी पैदा करती है। लोकप्रियता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता। जो आंदोलन भावनाओं के सहारे खड़े होते हैं, उन्हें लंबे समय तक चलाने के लिए स्पष्ट विचारधारा और व्यावहारिक कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है। कॉकरोच जनता पार्टी के सामने भी यही चुनौती होगी। क्या यह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रहेगी या शिक्षा, रोजगार, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस नीतियां भी प्रस्तुत करेगी? लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक शक्ति की वास्तविक परीक्षा उसके नारों से नहीं बल्कि उसके समाधानों से होती है।

इस पूरे प्रकरण का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिक सक्रिय हों। यदि युवा शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे हैं, सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं, तो इसे लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का संकेत माना जाना चाहिए। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं बल्कि उसकी ताकत है। बशर्ते वह संविधान और कानून की सीमाओं के भीतर रहे। आज जंतर–मंतर पर दिखाई दी भीड़ शायद कल किसी दूसरे मुद्दे पर किसी दूसरे मंच पर दिखाई दे। लेकिन यह स्पष्ट है कि भारत की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। यह दौर डिजिटल प्रभाव, प्रतीकात्मक आंदोलनों और युवा भागीदारी का है। जो राजनीतिक दल इस बदलाव को समझेंगे, वही भविष्य में प्रासंगिक बने रहेंगे। कॉकरोच जनता पार्टी सफल होगी या नहीं, यह भविष्य बताएगा। लेकिन उसने इतना तो साबित कर ही दिया है कि लोकतंत्र में कभी–कभी सबसे छोटी दिखने वाली आवाज भी राष्ट्रीय बहस का विषय बन सकती है। और शायद यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि यहां हर विचार को अपनी बात कहने का अवसर मिलता है। जंतर–मंतर की यह कहानी केवल एक नई पार्टी की नहीं, बल्कि बदलते भारत की राजनीतिक मनःस्थिति की कहानी है।

विचार विण्डो

परीक्षा की साख बचाना समय की सबसे बड़ी चुनौती

भारत में करोड़ों युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि सपनों और भविष्य के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई वैज्ञानिक तो कोई प्रशासनिक अधिकारी। इन सपनों को साकार करने का रास्ता अक्सर परीक्षा कक्ष से होकर गुजरता है। लेकिन जब यही परीक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ जाए, तो केवल परिणाम ही नहीं, युवाओं का विश्वास भी प्रभावित होता है।

पिछले कुछ वर्षों में देश की कई बड़ी परीक्षाएं विवादों के कारण चर्चा में रही हैं। कभी प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आती है, कभी मूल्यांकन में गड़बड़ी का मामला, तो कभी तकनीकी खामियों के कारण छात्रों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। हाल ही में आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी–यूजी) 2026 में तकनीकी खराबी के कारण कई केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय से घंटों बाद शुरू हुई। परीक्षा देने पहुंचे हजारों छात्र मानसिक तनाव और अनिश्चितता से जूझते रहे। यह घटना केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कमजोरी का संकेत है जिस पर लाखों युवाओं का भविष्य निर्भर करता है। वास्तविक चिंता की बात यह है कि परीक्षा प्रणाली से जुड़ी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं। पेपर लीक, सर्वर क्रैश, मूल्यांकन त्रुटियां और प्रशासनिक लापरवाही बार–बार सामने आ रही हैं। हर बार जांच बैठती है, बयान आते हैं और सुधार के आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद कोई नया विवाद जन्म ले लेता है। इससे छात्रों और अभिभावकों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी परीक्षा व्यवस्था वास्तव में सुरक्षित और विश्वसनीय है?

नीट और नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं से जुड़े विवादों ने पहले ही परीक्षा प्रणाली की साख को चोट पहुंचाई है। दूसरी ओर, कुछ बोर्ड परीक्षाओं में पुनर्मूल्यांकन के बाद छात्रों के अंकों में भारी अंतर सामने आना यह दर्शाता है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में भी गंभीर खामियां मौजूद हैं। जब एक ही

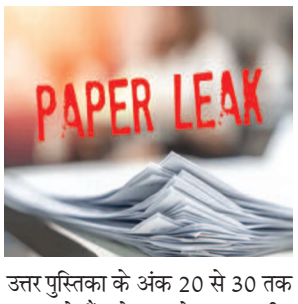

उत्तर पुस्तिका के अंक 20 से 30 तक बढ़ जाते हैं, तो यह केवल मानवीय भूल नहीं कही जा सकती। यह पूरे सिस्टम की जवाबदेही पर प्रश्नचिन्ह है। आज भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। इतनी बड़ी संख्या में परीक्षाओं का संचालन निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन यही चुनौती व्यवस्था की मजबूती की भी मांग करती है। यदि परीक्षा केंद्रों, तकनीकी साझेदारों, प्रिंटिंग एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच समन्वय मजबूत नहीं होगा, तो छोटी सी चूक भी लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर सकती है।

दुनिया के कई देशों ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। चीन की गाओकाओ परीक्षा इसका उदाहरण है, जहां सुरक्षा और निगरानी के अत्यंत कड़े मानकों के कारण प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं लगभग न के बराबर हैं। वहां परीक्षा में धांधली को केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विश्वास के साथ विश्वासघात माना जाता है। भारत को भी इसी गंभीरता के साथ परीक्षा सुधारों की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

तकनीक इस समस्या का बड़ा समाधान बन सकती है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक एन्क्रिप्शन तकनीक, ब्लॉकचेन आधारित डेटा सुरक्षा और बहुस्तरीय निगरानी प्रणाली अपनाई जा सकती है। ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए मजबूत क्लाउड नेटवर्क, बैकअप सर्वर और रियल–टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था आवश्यक है। यदि किसी एक सर्वर में तकनीकी समस्या आती है, तो दूसरा सिस्टम तुरंत सक्रिय होकर परीक्षा को बाधित होने से बचा सके।

इसी प्रकार मूल्यांकन प्रक्रिया में भी आधुनिक तकनीक का अधिक उपयोग होना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्कैनिंग, स्मार्ट ओसीआर और डिजिटल सत्यापन जैसी प्रणालियां त्रुटियों को काफी हद तक कम कर सकती हैं। हालांकि तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। परीक्षा संचालन से जुड़े सभी निजी और सरकारी संस्थानों का नियमित स्वतंत्र ऑडिट आवश्यक होना चाहिए।

सुधारों का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष दंड व्यवस्था है। प्रश्नपत्र लीक कराने वाले गिरोह केवल कानून नहीं तोड़ते, वे लाखों छात्रों की मेहनत और उम्मीदों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे मामलों में कठोर दंड, भारी आर्थिक जुर्माना और संपत्ति कुर्की जैसे प्रावधान प्रभावी निवारक साबित हो सकते हैं। इसी प्रकार तकनीकी और प्रशासनिक लापरवाही के लिए भी स्पष्ट जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

इसके साथ ही यह भी विचार करने का समय आ गया है कि क्या किसी छात्र के पूरे भविष्य का फैसला केवल एक दिन की परीक्षा से होना चाहिए। दुनिया के अनेक देशों में निरंतर मूल्यांकन, योग्यता परीक्षण और शैक्षणिक प्रदर्शन को मिलाकर चयन प्रक्रिया बनाई जाती है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, जिससे एक दिन की तकनीकी या प्रशासनिक गड़बड़ी किसी प्रतिभाशाली छात्र का भविष्य प्रभावित न कर सके। परीक्षा केवल अंकों का खेल नहीं है। यह युवाओं के विश्वास, परिश्रम और सपनों का मूल्यांकन है। यदि परीक्षा प्रणाली पर भरोसा कमजोर पड़ता है, तो इसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। इसलिए परीक्षा की शुचिता बनाए रखना केवल सरकार, परीक्षा एजेंसियों या शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भारत यदि ज्ञान आधारित महाशक्ति बनने का सपना देखता है, तो उसे सबसे पहले अपनी परीक्षा व्यवस्था को निष्पक्ष, पारदर्शी और तकनीकी रूप से विश्वसनीय बनाना होगा। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं और युवाओं का सबसे बड़ा अधिकार है–निष्पक्ष अवसर। परीक्षा प्रणाली की साख बचाना दरअसल देश के भविष्य की रक्षा करना है।

आयरलैंड–इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का ऐलान

वैभव की चमकी किस्मत श्रेयस को मिली कमान

पहली बार वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान गंभीर ने खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संयोजन, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और तैयारी को लेकर स्पष्ट संकेत दिए। सबसे ज्यादा चर्चा उनके उस बयान की रही जिसमें उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी तरह के बहाने स्वीकार नहीं किए जा सकते। गंभीर ने माना कि आईपीएल समाप्त होने के तुरंत बाद टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना होगा। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट मानसिक मजबूती का खेल है और सफल होने के लिए खिलाड़ियों को हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऋषभ पंत को लेकर भी गंभीर ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन पंत की खेल शैली में कोई बदलाव नहीं चाहता, लेकिन यह भी जरूरी है कि खिलाड़ी मैच की परिस्थितियों का सम्मान करें। उनके इस बयान को पंत के आक्रामक खेल और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि गंभीर ने यह स्पष्ट कर दिया कि टीम का भरोसा पंत पर पूरी तरह कायम है। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को लेकर भी कोच ने बड़ा संकेत दिया। गंभीर ने कहा कि सुदर्शन को अभी पर्याप्त अवसर नहीं मिले हैं और टीम प्रबंधन उन्हें लगातार मौके देना चाहता है। उन्होंने पुष्टि की कि साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। यह फैसला युवा खिलाड़ी के प्रति टीम के विश्वास को दर्शाता है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर भी गंभीर आशावादी नजर आए। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में प्रतिभा, अनुभव और जीतने की क्षमता मौजूद है तथा टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने में सक्षम है। उनका मानना है कि खिलाड़ी यदि अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं है। इसके अलावा गंभीर ने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ यह टेस्ट टीम को चौथे स्पिनर के विकल्प का आकलन करने का अवसर भी देगा। भारतीय टीम इस मुकाबले को भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण मान रही है। भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे हैं, जबकि केएल राहुल उपकप्तान की भूमिका में हैं। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण वाली यह टीम अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेगी। वहीं क्रिकेट प्रशंसकों की नजर अब मैदान पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी हुई है।

रणवीर के समर्थन में उतरीं पूनम ढिल्लो

'डॉन 3' विवाद में मिला खुला समर्थन

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'डॉन 3' को लेकर हुए विवाद के बीच अभिनेता रणवीर सिंह को बड़ी राहत मिली है। वरिष्ठ अभिनेत्री और सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की अध्यक्ष पूनम ढिल्लों ने खुलकर उनका समर्थन किया है। वहीं, विवाद सुलझने के बाद रणवीर सिंह के पिता जगजीत सिंह भवनानी ने भी पूनम ढिल्लों और सिंटा का धन्यवाद किया है। दरअसल, रणवीर सिंह के 'डॉन 3' से अलग होने के फैसले के बाद फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईएस) ने उनके खिलाफ नॉन–कोऑपरेशनल निर्देश जारी किया था। इस कदम ने फिल्म इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी थी। हालांकि, कई दिनों तक चले विवाद के बाद एफडब्ल्यूआईएस ने अपना आदेश वापस ले लिया, जिससे मामले ने नया मोड़ ले लिया। एक बातचीत के दौरान पूनम ढिल्लों ने कहा कि उन्हें खुशी है कि यह निर्देश वापस ले लिया गया। उन्होंने कहा कि रणवीर सिंह इस तरह की कार्रवाई के हकदार नहीं थे और किसी भी अभिनेता को अपने करियर और प्रोजेक्ट्स को लेकर फैसला लेने का अधिकार है। उनके अनुसार, यह मामला अभिनेता और निर्माता के बीच का होता है, जिसमें बाहरी हस्तक्षेप उचित नहीं माना जा सकता। पूनम ढिल्लों ने यह भी कहा कि रणवीर एक जिम्मेदार और मेहनती कलाकार हैं। उन्होंने हमेशा अपने काम को पूरी निष्ठा से किया है। ऐसे में उनके खिलाफ जारी निर्देश को लेकर सिंटा शुरू से ही सहमत नहीं था। उन्होंने कहा कि संगठन का उदेश्य कलाकारों के हितों की रक्षा करना है और वह नहीं चाहतीं कि किसी भी अभिनेता को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़े। विवाद समाप्त होने के बाद रणवीर सिंह के पिता जगजीत सिंह भवनानी ने पूनम ढिल्लों से बातचीत कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उनकी एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ लगातार बातचीत हो रही थी और दोनों पक्षों के बीच किसी प्रकार का विवाद नहीं था। एफडब्ल्यूआईएस का आदेश वापस होने के बाद अब यह मामला शांत होता नजर आ रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में भी इसे सकारात्मक कदम माना जा रहा है, जिससे कलाकारों और निर्माताओं के बीच बेहतर तालमेल की उम्मीद बढ़ी है।

बॉबी देओल की 'बंदर' की धीमी शुरुआत

तारीफें खूब मिलीं, लेकिन टिकट खिड़की पर नहीं चला जादू

पहले दिन कमाए सिर्फ 50 लाख रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म समीक्षकों की सराहना और दमदार कहानी के बावजूद अनुराग कश्यप की नई फिल्म 'बंदर' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों के मुताबिक शुरुआत नहीं कर सकी। बॉबी देओल अभिनीत इस क्राइम थ्रिलर ने रिलीज के पहले दिन महज 50 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म को लेकर दर्शकों और ट्रेड विशेषज्ञों के बीच काफी चर्चा थी, लेकिन शुरुआती आंकड़ों ने निर्माताओं की उम्मीदों को झटका दिया है। अनुराग कश्यप लंबे समय से ऐसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें समीक्षकों से प्रशंसा तो मिलती है, लेकिन वे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पातीं। 'बंदर' भी फिलहाल उसी राह पर चलती दिखाई दे रही है। हालांकि फिल्म की कहानी, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म को देशभर में सीमित स्तर पर रिलीज किया गया। इसे करीब 300 से कुछ अधिक सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया गया था। इसके बावजूद फिल्म की ऑक्यूपेंसी दर लगभग 13 प्रतिशत रही, जो अपेक्षाकृत कम मानी जा रही है। बॉबी देओल की हालिया लोकप्रियता और उनके सफल प्रोजेक्ट्स को देखते हुए फिल्म से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा का भी सामना करना पड़ा। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' ने पहले दिन लगभग 7.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिससे दर्शकों का बड़ा वर्ग उसी ओर आकर्षित होता दिखाई दिया। 'बंदर' की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म में बॉबी देओल ने समर नाम के एक गायक–अभिनेता का किरदार निभाया है, जिसका करियर मुश्किल दौर से गुजर रहा होता है। उसकी जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब उस पर एक गंभीर आरोप लगने के बाद कानूनी और सामाजिक संघर्ष शुरू हो जाता है। कहानी में सस्पेंस, भावनाएं और सामाजिक मुद्दों का मिश्रण देखने को मिलता है। हालांकि शुरुआती कमाई निराशाजनक रही है, लेकिन फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में इसके कारोबार में कुछ सुधार देखने को मिल सकता है।

15 साल की उम्र में दिखाया दम

युग देवगन का ट्रांसफॉर्मेशन बना चर्चा का विषय

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता अजय देवगन और काजोल के बेटे युग देवगन इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। महज 15 साल की उम्र में उनका फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन लोगों को हैरान कर रहा है। हाल ही में सामने आए एक वीडियो में युग जिम में कड़ी मेहनत करते और वर्कआउट करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सेलिब्रिटी फिटनेस कोच रॉबिन बहल ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो के साथ उन्होंने युग की मेहनत और अनुशासन की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि युग की लगन उन्हें लगातार बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है और यह तो अभी सिर्फ शुरुआत है। वीडियो में युग को अलग–अलग एक्सरसाइज करते देखा जा सकता है। उनकी फिटनेस और मजबूत शरीर को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी प्रभावित हैं। कई लोगों का मानना है कि युग भविष्य में बॉलीवुड में कदम रख सकते हैं, हालांकि उनके डेब्यू को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। युग के इस ट्रांसफॉर्मेशन पर उनकी मां काजोल ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फायर इमोजी शेयर कर बेटे की मेहनत की सराहना की। वहीं तनीषा मुखर्जी ने उन्हें "ही–मैन" कहकर प्रोत्साहित किया। युग का यह वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर खूब पसंद किया जा रहा है।

विराट की चोट से बदली टीम इंडिया की तस्वीर

सीरीज से पहले भारत को लगा बड़ा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनकी अनुपस्थिति में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल करने का फैसला किया है। इस खबर के बाद क्रिकेट प्रशंसकों के बीच निराशा देखी जा रही है, क्योंकि लंबे समय बाद वनडे क्रिकेट में विराट कोहली को एक्शन में देखने का इंतजार किया जा रहा था। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पुष्टि की है कि चोट के कारण कोहली इस सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। फिलहाल उनकी रिकवरी पर मेडिकल टीम नजर बनाए हुए है। टीम प्रबंधन नहीं चाहता कि जल्दबाजी में उन्हें मैदान पर उतारकर चोट को और गंभीर बनाया जाए। विराट कोहली अब भारतीय टीम के लिए केवल वनडे क्रिकेट खेलते हैं। वह पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने अपना पिछला वनडे मुकाबला जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उस सीरीज में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 240 रन बनाए थे और भारत के सबसे सफल बल्लेबाज रहे थे। कोहली का बेहतरीन फॉर्म आईपीएल 2026 में भी देखने को मिला। उन्होंने पूरे सीजन में 675 रन बनाए और अपनी टीम को खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले में उनकी नाबाद 75 रन की पारी ने टीम की जीत में अहम योगदान दिया था। ऐसे में अफगानिस्तान सीरीज से उनका बाहर होना भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं, यशस्वी जायसवाल के लिए यह खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा। युवा बल्लेबाज ने अब तक केवल चार वनडे मैच खेले हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट और अन्य प्रारूपों में उन्होंने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि वह इस अवसर का पूरा फायदा उठाएंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित होगा। अब सभी की नजरें इस बात पर होंगी कि कोहली की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम कैसा प्रदर्शन करती है।

यूपी में बदला मौसम, कई जिलों में बारिश और आंधी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शनिवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। प्रदेश के कई हिस्सों में तेज धूप और उमस के बाद अचानक बारिश और आंधी–तूफान ने लोगों को गर्मी से राहत दी। मऊ और गाजीपुर में दोपहर के समय तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

गोरखपुर में धूलभरी आंधी चलने से दृश्यता प्रभावित हुई, वहीं तेज हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत दी। वाराणसी में देर रात करीब आधे घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई, जिससे शहर का मौसम पूरी तरह ठंडा हो गया। बिजली चमकने और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। इसी तरह कौशांबी और अमेठी जैसे जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। हालांकि

अमेठी में बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा भी हुआ, जहां मिट्टी की दीवार गिरने से एक मां–बेटी की मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो

गया। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 43 जिलों में बारिश और 21 जिलों में आंधी–तूफान की चेतावनी जारी की गई थी। तेज हवाओं की रफ्तार कुछ

मऊ-गाजीपुर में झमाझम बारिश

गोरखपुर में धूलभरी आंधी से राहत

स्थानों पर 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा तक दर्ज की गई। विभाग ने यह भी अनुमान जताया है कि अगले 24 घंटों में पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे–धीरे समाप्त हो जाएगा।

इसके बाद प्रदेश में मौसम शुष्क होने लगेगा और तापमान में तेज बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा सकता है और लू चलने की संभावना है। मानसून के 24 जून के आसपास उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने का अनुमान है।

गाजीपुर एनकाउंटर की जांच होगी : केशव मौर्य

क्राइम कंट्रोल के लिए सख्ती जरूरी

विपक्ष पर डिप्टी सीएम का हमला

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गाजीपुर एनकाउंटर मामले पर कहा कि सरकार हर घटना को गंभीरता से ले रही है और यदि किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो उसकी जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए कई बार पुलिस को सख्त कदम उठाने पड़ते हैं, लेकिन हर मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। यदि किसी पक्ष द्वारा शिकायत की जाती है तो उसकी भी जांच कराई जाती है।

डिप्टी सीएम ने विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा है और विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। केशव मौर्य ने यह भी दावा किया कि विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दे उठाता है, जबकि सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

वारंटी पकड़ने गई पुलिस को चोर समझकर पीटा

यूनिक समय, कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम वारंटी अपराधियों को पकड़ने पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें चोर समझकर हमला कर दिया। इस घटना में एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के देवेंद्र नगर थाने की पुलिस टीम कोखराज थाना क्षेत्र के ईचौली गांव में दबिश देने पहुंची थी। टीम तीन वांछित आरोपियों की तलाश में आई थी। सभी पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में थे, जिससे ग्रामीण उन्हें पहचान

सिविल ड्रेस बनी हमले की वजह

ग्रामीणों की पिटाई में जवान घायल

नहीं सके।

जब पुलिसकर्मी एक आरोपी के घर पहुंचे तो ग्रामीणों ने उन्हें संदिग्ध समझ लिया और 'चोर–चोर' का शोर मचा दिया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। मारपीट में पुलिसकर्मी जगदेव प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर और हाथ में चोटें आई हैं।

अन्य पुलिसकर्मियों ने किसी तरह मौके से निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। घायल जवान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अब हमले में शामिल लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

अलीगढ़ में सरकारी कर्मचारी के खाते से ठगी

यूनिक समय, अलीगढ़ । अलीगढ़ में एक चौंकाने वाला साइबर फ्रॉड सामने आया है, जिसमें जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में तैनात एक सरकारी कर्मचारी के बैंक खाते से लाखों रुपये उड़ा लिए गए। यह घटना जिले में बढ़ते साइबर अपराधों की गंभीरता को एक बार फिर उजागर करती है।

जानकारी के अनुसार, 58 वर्षीय संतोष कुमार शर्मा, जो सासनी गेट थाना क्षेत्र के निवासी हैं और जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में प्रधान सहायक के पद पर कार्यरत हैं, उनके साथ यह ठगी हुई। उनका खाता बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा मसूदाबाद में संचालित है।

पीड़ित के अनुसार, 8 मई 2026 को अज्ञात साइबर ठगों ने उनके खाते से बिना अनुमति के लेनदेन शुरू कर दिया। कुछ ही घंटों में कुल 10,85,981 रुपये अलग–अलग 12 ट्रांजैक्शन के जरिए निकाल लिए गए। इनमें 1,00,000, 96,611, 94,302 और 83,572 रुपये जैसी बड़ी रकम शामिल थी।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है

12 बार यूपीआई के जरिए लाखों की चोरी

पुलिस और बैंक से जांच शुरू

कि पीड़ित ने बैंक को दिए गए शिकायत पत्र में साफ लिखा है कि उन्होंने कभी अपने खाते में यूपीआई सेवा का उपयोग नहीं किया और न ही इसे सक्रिय कराया था। इसके बावजूद उनके खाते से लगातार डिजिटल ट्रांजैक्शन होते रहे और पूरी जीवनभर की जमा पूंजी समाप्त हो गई। घटना के बाद संतोष कुमार शर्मा ने बैंक अधिकारियों और पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इसे अपनी मेहनत की पूरी कमाई बताते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

इस मामले ने स्थानीय लोगों में भी चिंता बढ़ा दी है और साइबर सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

आगरा कॉलेज में शिक्षा मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन

छात्रों ने उठाई इस्तीफे की मांग

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ

यूनिक समय, आगरा। आगरा में आगरा कॉलेज के छात्रों के एक प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ युवक हाथों में तख्तियां लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में "शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो" और "जागो आगरा, जागो आगरा" जैसे नारे लिखी तख्तियां भी नजर आ रही हैं। जानकारी के अनुसार, यह वीडियो 28 मई का बताया जा रहा है, जिसे एक सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया गया था। इस अकाउंट के हजारों फॉलोअर्स हैं और वीडियो को हजारों बार देखा जा चुका है। वीडियो सामने आने के बाद यह विभिन्न प्लेटफॉर्म पर तेजी से शेयर किया जा रहा है। प्रदर्शन में आगरा कॉलेज के करीब 7 से 8 छात्र एक साथ नजर आ रहे हैं। कुछ पोस्टरों पर अंग्रेजी में भी संदेश लिखे गए हैं, जिनमें शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य को लेकर सवाल उठाए गए हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई यूजर्स छात्रों के समर्थन में लिख रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे शिक्षा प्रणाली से जुड़ी गंभीर समस्याओं से जोड़कर देख रहे हैं। यह वीडियो ऐसे समय में वायरल हुआ है जब देशभर में शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर बहस चल रही है। इसी कारण यह मामला स्थानीय से लेकर सोशल मीडिया स्तर तक चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों और इसकी प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

संभल में फिर गरजा बुलडोजर, अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई

यूनिक समय, संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। शनिवार को कसेरुआ गांव में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर कार्रवाई करते हुए अतिक्रमित भूमि को खाली कराया गया। प्रशासनिक और राजस्व अधिकारियों की निगरानी में हुई इस कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

अधिकारियों के अनुसार शासन के निर्देश पर सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कसेरुआ क्षेत्र में चिन्हित भूमि पर कार्रवाई की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी संपत्तियों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। इससे एक दिन पहले

कसेरुआ गांव में खाली कराई जमीन

मजार हटाने के बाद चला अभियान

बबराला थाना क्षेत्र के बाघऊगांव में भी प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन पर बनी एक मजार को ध्वस्त कर दिया था। अधिकारियों के मुताबिक राजस्व विभाग की पैमाइश में यह भूमि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज पाई गई थी। मामले की सुनवाई के बाद जिलाधिकारी न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। कार्रवाई के दौरान जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, राजस्व टीम और कई थानों की पुलिस मौके पर मौजूद रही। करीब एक घंटे तक चली कार्रवाई में लगभग 100 वर्ग गज सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह कानूनी और न्यायालय के आदेशों के अनुरूप की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में तालाब, चकमार्ग और अन्य सार्वजनिक भूमि पर हुए अतिक्रमणों को हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

प्रशासन का कहना है कि जहां भी सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण या कब्जा मिलेगा, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में चल रही इस मुहिम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आ रहा है।

योगी–अखिलेश में जुबानी जंग, सियासत फिर गरमाई

टोंटी ' टिप्पणी को लेकर सपा प्रमुख ने सीएम योगी पर साधा निशाना

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बीच बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए 'टोंटी' वाले बयान पर अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री पर निशाना साधा और उनकी टिप्पणी को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों की भाषा और व्यवहार मर्यादित होना चाहिए। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सफर और अतीत से जुड़े कुछ सवाल भी उठाए।

सपा प्रमुख ने अपने बयान में कहा कि किसी व्यक्ति के शुरुआती जीवन और अनुभवों का प्रभाव उसके सार्वजनिक व्यवहार में दिखाई देता है। उन्होंने मुख्यमंत्री के उत्तराधिकारी बनाए जाने और राजनीतिक उन्नति को लेकर भी सवाल खड़े किए। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में कहा था कि सरकार हर घर तक नल का पानी पहुंचा रही है, लेकिन कुछ लोग टोंटी चोरी कर लेते हैं या उसे खुला छोड़कर पानी बर्बाद करते हैं। उनके इस बयान को विपक्ष ने राजनीतिक तंज के रूप में लिया। मुख्यमंत्री की टिप्पणी और अखिलेश यादव के जवाब के बाद प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। दोनों नेताओं के समर्थक भी सोशल मीडिया पर आमने–सामने दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए बयानबाजी का यह दौर और तेज हो सकता है।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के खिलाफ की नारेबाजी

छात्रों की हुंकार, धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे की मांग

पेपर लीक के विरोध में जुटे छात्र

शाम पांच बजे तक मिली अनुमति

प्रदर्शन में जुटे हजारों युवा समर्थक

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को छात्रों और युवाओं का प्रदर्शन तेज हो गया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, युवा पेशेवर और समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी की। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंच से कहा कि देश का युवा अब डरने वाला नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार हो रही गड़बड़ियों और पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही तय करने की मांग उठाई। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई तो वह छह सप्ताह का उपवास करेंगे। उनके समर्थन से आंदोलन को और बल मिला है। प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए अभिजीत दीपके ने समर्थकों से किताब और तिरंगा लेकर आने तथा पुलिसकर्मियों को सम्मान स्वरूप फूल देने की अपील की। हालांकि कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और अन्य समूहों के बीच हल्की झड़प की खबर भी सामने आई। प्रदर्शन को देखते हुए जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने बड़ी संख्या में जवान तैनात किए हैं और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। कई प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग और चेकिंग अभियान भी चलाया गया। पुलिस ने प्रदर्शन के लिए अनुमति दी है और शाम तक शांतिपूर्ण धरना जारी रहने की संभावना है। इस बीच प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग पर अड़े हुए हैं। आंदोलन को लेकर राजधानी में राजनीतिक और सामाजिक हलकों की नजरें जंतर-मंतर पर टिकी हुई हैं।

लस्सी पीने निकले परिवार की सड़क हादसे में मौत

महिला और मासूम समेत चार की मौत

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसा मुंबई-नागपुर हाईवे बाईपास पर वरनगांव के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार मलकापुर के आदिवासी पारधी परिवार के सदस्य बाइक से लस्सी पीने के लिए वरनगांव जा रहे थे।

इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सभी चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को जलगांव जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। चौथे घायल ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में 19 वर्षीय विजय शंकर काले, 30 वर्षीय ऐश्वर्या बहादुर भोसले, 14 वर्षीय विग्नेश शंकर चव्हाण और एक वर्षीय मासूम मोनालिसा शिवबसप्पा भोसले शामिल हैं।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में परिजनों की भीड़ जुट गई। अपनों को खोने का दुख अस्पताल परिसर में साफ दिखाई दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे में स्कॉर्पियो चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजनों ने आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

हिमाचल में देर रात भूकंप के तेज झटकों से दहशत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शुक्रवार रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। रात करीब 10 बजकर 4 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5 मापी गई। जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से केवल 5 किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई होने के कारण झटके अधिक तीव्रता से महसूस किए गए। चंबा के अलावा शिमला, कांगड़ा, कुल्लू और आसपास के कई क्षेत्रों में भी लोगों ने कंपन महसूस की। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर खुले स्थानों की ओर भागे। हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। चंबा जिला भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है और यहां पहले भी कई बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। ताजा घटना के बाद लोगों में एक बार फिर भूकंपीय जोखिम को लेकर चिंता बढ़ गई है।

फायरिंग केस में घिरे खान सर गिरफ्तारी की तलवार लटकी

अग्रिम जमानत की तैयारी में जुटे पुलिस की छापेमारी लगातार जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में कोचिंग संस्थान से जुड़े फायरिंग मामले में चर्चित शिक्षक खान सर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास से संबंधित मामला दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। इस बीच खान सर की ओर से अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने की तैयारी की जा रही है।

मामला उस घटना से जुड़ा है जिसमें खान ग्लोबल स्टडीज संस्थान में कथित तोड़फोड़ और पथराव के बाद फायरिंग होने का आरोप लगा था। पुलिस ने जांच के दौरान कोचिंग संस्थान से जुड़े दो सुरक्षा गार्डों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों गार्डों ने गोली चलाई थी। पुलिस इस पूरे मामले में खान सर से भी पूछताछ करना चाहती है।

पटना पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, कोचिंग संस्थानों से जुड़े छात्रों के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

खान सर के वकील का कहना है कि उनके मुवक्किल कानून का सम्मान करते हैं और न्यायालय के समक्ष अपनी बात रखेंगे। वहीं, पुलिस की कई टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। मामले को लेकर पूरे बिहार में चर्चा का माहौल बना हुआ है और सभी की नजरें अब अदालत और पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

बेरोजगार युवक के घर मिला लाखों का कैश

पुलिस छापेमारी में खुला बड़ा राज

पुराने नोटों के साथ नकदी बरामद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के यमुनानगर जिले में पुलिस की विशेष कार्रवाई के दौरान एक बेरोजगार युवक के घर से 10 लाख रुपये से अधिक नकदी बरामद होने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने यह कार्रवाई "ऑपरेशन 2.0" के तहत गुप्त सूचना के आधार पर की।

पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव सारन में कुछ लोग अवैध गतिविधियों और नशे के कारोबार से जुड़े हो सकते हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से गांव के करीब दस घरों में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान सुभाष नामक युवक के घर से 10 लाख 37 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। साथ ही 60 हजार रुपये मूल्य के पुराने बंद हो चुके नोट भी मिले।

डीएसपी रजत गुलिया ने बताया कि सुभाष के पास कोई नियमित रोजगार नहीं है, जबकि उसकी मां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद पुलिस को अवैध गतिविधियों से जुड़े होने की आशंका है।

पुलिस ने बरामद नकदी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि यह पैसा कहां से आया और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए किया जाना था। पुलिस का कहना है कि अपराध, नशा तस्करी और गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आसाराम आश्रम के पास चला बुलडोजर, खाली कराई गई जमीन

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद स्थित मोटेरा क्षेत्र में प्रशासन ने आसाराम आश्रम के आसपास कथित अतिक्रमित भूमि को खाली कराने के लिए बड़ा अभियान चलाया। हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद अहमदाबाद विकास प्राधिकरण (एडीए) ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासन के अनुसार लगभग 45 हजार वर्ग मीटर से अधिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है, जिसकी अनुमानित कीमत 500 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है।

यह जमीन मोटेरा आश्रम ट्रस्ट के कब्जे में होने को लेकर लंबे समय से विवाद का विषय बनी हुई थी। आश्रम ट्रस्ट ने इस कार्रवाई को रोकने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने अप्रैल 2026 में याचिका खारिज कर दी थी। कार्रवाई के दौरान आश्रम परिसर और आसपास रहने वाले कुछ लोगों ने विरोध भी जताया। कई परिवारों को अपने घर खाली करने पड़े, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। हालांकि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में बनाए रखा और अभियान जारी रखा। डीसीपी जोन-2 भरत राठौड़ के अनुसार चांदखेड़ा क्षेत्र में मोटेरा गांव के अंतर्गत आने वाले 37 मकानों को हटाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए कई प्रशासनिक और पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। प्रत्येक टीम के साथ पर्याप्त सुरक्षा बल मौजूद है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक आश्रम को वर्षों पहले सीमित धार्मिक उपयोग के लिए लगभग 33,980 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई थी।

जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि वास्तविक कब्जा निर्धारित सीमा से काफी अधिक क्षेत्र तक फैल गया था। राज्य सरकार का दावा है कि कुल कब्जा लगभग 50 हजार वर्ग मीटर तक पहुंच गया था। प्रशासन का कहना है कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं और आवश्यक मंजूरियों के बाद ही यह कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार खाली कराई जा रही भूमि भविष्य में खेल और सार्वजनिक विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

निष्पक्ष सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

आरोपी को सबूतों से दूर रखना पड़ेगा भारी

चार्जशीट के दस्तावेज छिपाना नहीं

निष्पक्ष सुनवाई आरोपी का मौलिक अधिकार

गोपनीय दस्तावेज देने का दिया आदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी भी आरोपी को चार्जशीट का हिस्सा बने दस्तावेजों तक पहुंच से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसा करना आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को प्रभावित कर सकता है।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने सेवानिवृत्त मेजर जनरल वीके सिंह से जुड़े मामले में यह टिप्पणी की। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह कुछ गोपनीय दस्तावेजों की टाइप की हुई प्रतियां आरोपी को उपलब्ध कराए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत निष्पक्ष सुनवाई प्रत्येक आरोपी का मौलिक अधिकार है। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अदालत ने शर्त लगाई कि दस्तावेजों का उपयोग केवल न्यायिक प्रक्रिया के लिए किया जाएगा और उन्हें सार्वजनिक या सोशल मीडिया पर साझा नहीं किया जा सकेगा।

यह मामला आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज एक पुराने प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें आरोपी ने बचाव के लिए दस्तावेजों की मांग की थी। अदालत ने दो महीने के भीतर दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

युवक ने पिस्टल से मचाई दहशत पुलिस ने आरोपी को दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। चौकी कृष्णा नगर प्रभारी और एक अन्य दरोगा ने बीती रात अखाड़े पर कुछ लोगों पर फायरिंग करने वाले युवक को मौके पर पहुंचकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए युवक से 32 बोरी की पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं।

बीती रात दिनेश 32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल लेकर स्कार्पियो कार से भूतेश्वर अखाड़े पर आया। अखाड़े में अपने विरोधी करन और उसके दो साथियों पर जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायरिंग कर दी। गोलियां चलाने के बाद दिनेश मौके पर गाड़ी को छोड़ कर पैदल भागने लगा। चौकी प्रभारी कृष्णानगर संजीव कुमार और एसआई मुशताक मेंहदी ने पुलिस के साथ उसे रास्ते में पकड़ने की कोशिश की, लेकिन

एक युवक बीच सड़क पुलिसवालों को दबंगई दिखाता रहा।

वह पिस्टल से गोली मारने की धमकी देने लगा। चौकी इंचार्ज और एसआई पिस्टल

दो दरोगाओं ने हिम्मत जुटा कर छीन ली पिस्टल

हाथ में होने के बावजूद उसे कब्जे में लेने का प्रयास करते रहे। दोनों को इस बात का भी डर था कि उसने अगर गोली चला दी तो सड़क पर किसी को भी लग सकती है। दोनों उसे एक दुकान में ले गए और वहां पर उसकी पिस्टल छीनने के बाद उसे कोतवाली ले गए। इस मामले में करन की ओर से दिनेश के खिलाफ जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दिनेश को लाइसेंसी पिस्टल और पांच कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

बिजली के ट्रांसफार्मर से कॉइल और तेल चोरी

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैंत के कृष्णा कुटीर रामताल के सामने निर्माणाधीन कॉलोनी में लगे 250 केवीए ट्रांसफर्मर की चोर कॉइल और तेल चोरी कर ले गए। महौली रोड निवासी रुपेश कुमार सारस्वत ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि चार जून को चोरों ने कॉलोनी में लगे ट्रांसफार्मर से कीमती कॉइल और तेल चोरी कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

होलीगेट पर 50 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त

व्यापारियों को चेतावनी देते अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम ने प्लास्टिक और पॉलीथिन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम मथुरा–वृंदावन और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने होलीगेट और आसपास के बाजारों में सघन अभियान चलाकर करीब 50 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक- पॉलीथिन जब्त की। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह अभियान के दौरान दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलिथिन का क्रय–विक्रय अथवा उपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भविष्य में फिर से यह नियम तोड़ा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अवर अभियंता रितिक सक्सेना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ शहर के लक्ष्य को लेकर प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर नगर निगम के जेसीओ विजयवीर सिंह, रौदास सिंह, राजेश कुमार, प्रवर्तन दल की टीम और दीपक शर्मा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

बरसाना थाने में हंगामा करने वाला सूरजपाल दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसी आरोपी को हवालात से निकालने के लिए मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी और उनके समर्थकों ने थाना बरसाना में हंगामा काटा था।

पुलिस ने बताया कि कमई और करहला के बीच गोशाला के पास अवैध मिट्टी खनन की बीते दिन सूचना मिली थी। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को रोककर खनन अधिकारी को जानकारी दी। थाने आए खनन अधिकारी ने सभी वाहनों को सीज कर दिया। इसी दौरान सूरजपाल अपने साथी लखन सिंह के साथ मौके पर पहुंचा और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को रोकते हुए पुलिस कार्रवाई में बाधा डालने लगा। पुलिस द्वारा समझाने पर भी दोनों नहीं माने और अन्य लोगों को बुलाकर हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान उपनिरीक्षक मदन सिंह को धक्का देकर गिरा दिया गया। गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में थाना बरसाना में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। शनिवार को पुलिस ने मुख्य अभियुक्त सूरजपाल को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार, उपनिरीक्षक दीपक कुमार और कांस्टेबल मोहित कुमार शामिल रहे।

80 लाख शादी में खर्च,ससुराली मांग रहे थे दहेज

यूनिक समय, मथुरा। गांव बाटी निवासी युवती लक्ष्मी की शादी 15 मई 20 25 को युवक आकाश निवासी पलवल, हरियाणा के साथ हुई थी। पिता ने बेटी की शादी में अस्सी लाख रुपये खर्च किए थे। शादी में अर्टिगा कार भी दी थी। आरोप है कि शादी के बाद से पति आकाश, ससुर दुलीचंद, सास सुनीता, नंद और जिठानी सहित परिवार के लोग शादी में दिए गए दहेज से संतुष्ट नहीं थे। दहेज के अलावा दस लाख रुपयों की नकदी और मुर्रा भैंस मांग रहे थे। उन्होंने 6 अप्रैल को उसको कमरे में बंद कर प्रताड़ित किया। सात अप्रैल को टेंपो में बिठा कर लाए और मायके के समीप छटीकरा रोड पर चलते टेंपो से सड़क पर फैंक गए। ग्रामीणों ने उसे संभाला और परिवार के लोगों को सूचना दी।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अडींग में किया पौधारोपण

पौधारोपण करते जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह आदि।

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के अडींग गांव में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होकर पौधा लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पौधारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण एक–दूसरे के पूरक हैं, दोनों के प्रति समाज को जागरूक होना आवश्यक है। कार्यक्रम में भाजपा मथुरा महानगर के महामंत्री ज्ञानेंद्र सिंह राणा, राधाकुंड मंडल महामंत्री कपिल सेठ सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी- कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

गो ग्राम परखम में संघ कार्यकर्ताओं ने रोपे पौधे

यूनिक समय, फरह। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, परखम में पौधारोपण किया। संघ के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे।

इस अवसर पर डॉ. कमल कौशिक ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यकर्ताओं ने पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारी, स्वयंसेवक और गो विज्ञान केंद्र के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और हरित-स्वच्छ वातावरण के निर्माण में समाज

केआर महाविद्यालय में पौधारोपण रकरते एनसीसी के कैडेट।

की सहभागिता तय करना रहा।

इस दौरान सह प्रांत प्रचार प्रमुख मनमोहन, प्रांत साहित्य बिक्री प्रमुख अशोक चौबे, विभाग प्रचारक कुलदीप एटा, जिला प्रचार प्रमुख राम पाठक,शारीरिक प्रमुख मोनू उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

वहीं, किशोरी रमन महाविद्यालय मथुरा में एनसीसी इकाई के कैडेटों ने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कैडेटों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के महत्व से अवगत कराया। एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. नवीन अग्रवाल ने कार्यक्रम को सराहा।

इस अवसर पर अंडर ऑफिसर डॉली बघेल, सार्जेंट रामनिवास, कैडेट आनंद कुमार सिंह, विश्वजीत, विकास, प्रवेश, तपेश, शिवम, अभिषेक, विशाल, प्रशांत गौतम, प्रियांशी गौर, प्रिया, प्रियांशी चौधरी, मोनिका और काजल सहित अनेक कैडेट उपस्थित रहे।

पेड़ों मे लगाए पानी देंगे हरियाली

पेड़ों में पानी लगाते गहवर वन आंदोलन के प्रणेता बंशीधर अग्रवाल, रानी, सुमित ,पूजा और निका अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। गहवर बन बचाओ आंदोलन के प्रणेता- योगाचार्य बंशीधर अग्रवाल ने लोगो से कहा हैकि वह प्रतिदिन पेड़ों में पानी लगाएं। ऐसा करने से प्रकृति की कृपा मिलेगी। पेड़ हरियाली भी देंगे।

उन्होंने कहा कि आज हमको इतने तापमान में वृक्षों को पानी देना चाहिए। अगर हमने पानी नहीं दिया तो हम सांस नहीं ले सकते है। बरसात के मौसम में कम से कम एक पौधा लगाकर उसे बच्चों की तरह पाल।

उन्होंने कहा कि वह जून के महीने में पक्षियों के लिए पेड़ों पर रस्सी से छींकें बनाकर स्वंय मिट्टी के बर्तनों में पानी भरते है। ऐसा सभी को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे नेक काम में रानी अग्रवाल , पूजा अग्रवाल , निका अग्रवाल, शोभा और सुमित अग्रवाल आदि सहयोग कर रहे हैं।